RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक:02 , गुरुवार, 12 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विद्यालयों में आपदा सुरक्षा को लेकर एसडीएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित 03

मारपीट मामले में बोलेरो से हथियार बरामद, तीन नामजद आरोपी पर केस दर्ज 04

अपने किरदार को जीने लगी हूं, ड्रेगन का किरदार निभाने वाली कनिका... 07

'जन गण मन' से पहले अब बजेगा 'वंदे मातरम'

● स्कूलों में राष्ट्रगीत के सभी 6 पैरा अनिवार्य, सिनेमाघरों को छूट ● सरकारी कार्यक्रमों और स्कूलों में वंदे मातरम् बजाना अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को लेकर बुधवार सुबह नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देश के तहत, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों और कई महत्वपूर्ण आयोजनों में वंदे मातरम बजना अनिवार्य होगा। सभी लोगों को खड़े होकर इसका सम्मान करना होगा, ठीक वैसे ही जैसे राष्ट्रगान जन गण मन के समय होता है। लेकिन सिनेमा हॉल में फिल्मों के दौरान यह नियम लागू नहीं होगा। सबसे अहम बात यह है कि गीत के पूरे छह छंद बजाए जाएंगे, जिनमें से चार छंद 1937 में कांग्रेस ने हटा दिए थे। यह फैसला स्वतंत्रता संग्राम के इस गीत को उसकी मूल शक्ति के साथ वापस लाने की कोशिश है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के इन नए नियमों के तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के तुरंत बाद बजाया जाएगा। यानी पहले फिर जन गण मन। यह सभी सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों में लागू होगा। वंदे मातरम अब पद्म पुरस्कार जैसे नागरिक सम्मान समारोहों में भी बजाया जाएगा। राष्ट्रपति के किसी भी कार्यक्रम में उनके आने-जाने के समय यह गीत बजना जरूरी होगा। राष्ट्रपति या राज्यपालों के आगमन, प्रस्थान, उनके भाषण से पहले और बाद में भी यह नियम लागू होगा। तिरंगा फहराने के मौके पर भी इसका पालन होगा। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जब यह गीत बजाया या गाया जाएगा, तो मौजूद सभी लोग ध्यान मुद्रा में खड़े रहेंगे।

बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1875 में वंदे मातरम लिखा था, जो 1882 में उनके उपन्यास आनंदमठ में छपा। इसमें कुल छह छंद हैं। शुरुआती छंद भारत को मां के रूप में चित्रित करते हैं। बाद के छंदों में दुर्गा, कमला (लक्ष्मी) और सरस्वती जैसी हिंदू देवियों का जिक्र है। 1937 में कांग्रेस ने फैजपुर अधिवेशन में सिर्फ पहले दो छंदों को अपनाया, क्योंकि कुछ मुस्लिम सदस्यों को देवियों के जिक्र से आपत्ति थी। अब सरकार ने फैसला किया है कि पूरे छह छंद ही बजेंगे, जो लगभग 3 मिनट 10 सेकंड लंबे होंगे।

पीरागढ़ी ट्रिपल डेथ केस में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

● आरोपी तांत्रिक बाबा को किया गिरफ्तार, सुलझेगी गुत्थी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओर के पास एक बंद कार में मिले तीन शवों के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक बाबा या मौलाना उर्फ कमरुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है। यह इस मामले में पहली गिरफ्तारी है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी कमरुद्दीन पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पीरागढ़ी में ट्रिपल डेथ मामले में बताया कि कमरुद्दीन करीब एक साल से तीनों के संपर्क में था और सीसीटीवी फुटेज में उसे

उसी दिन पहले कार के चालक की बगल वाली सीट पर बैठे देखा गया था। अधिकारी ने बताया कि घटनाक्रम और मौतों के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है। रविवार दोपहर को रणधीर (76), शिव नरेश सिंह (47) और लक्ष्मी देवी (40) एक कार के अंदर मृत पाए गए थे, जिसमें रणधीर चालक की सीट पर और अन्य दो पीछे की सीट पर बैठी हुई अवस्था में थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब 3.50 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन कर सूचना दी गई कि तीन लोग एक कार के अंदर बैठे हैं और उसके दरवाजे बंद हैं और वे कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। पुलिस की एक टीम पीरागढ़ी पहुंची है।

अजित पवार प्लेन क्रैश, भतीजे रोहित को साजिश की आशंका

● बोले-पायलट का रिकॉर्ड सवालों के घेरे में था, ऑडिट के आदेश

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले महीने विमान हादसे में उनके चाचा और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत में साजिश की आशंका है। उन्होंने इस मामले की एक्सपर्ट एजेंसियों से पूरी जांच की मांग की। एनसीपी

के प्रमुख शरद पवार पहले इस हादसे में साजिश की बात खारिज कर चुके हैं। उन्होंने इसे दुर्घटना बताया था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, रोहित पवार ने कैप्टन सुमित कपूर के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए, जो 28 जनवरी को हादसे वाले दिन अजित का विमान उड़ा रहे थे। वहीं, एविएशन पर नजर रखने वाली संस्था डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने मंगलवारप को वेंचर्स समेत नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट ऑपरेटर्स का स्पेशल सेफ्टी ऑडिट शुरू किया है।

राहुल गांधी के खिलाफ नोटिस देगी सरकार

लोकसभा में रिजिजू ने किया ऐलान, दिया वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को बजट सत्र के दौरान भाषण दिया। राहुल ने एपस्टीन फाइल्स और अडाणी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि अडाणी पर चल रहा केस, दरअसल मोदी पर दबाव बनाने का तरीका है। इसके जरिए भाजपा का फाइनेंसियल स्ट्रक्चर टूटेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल को तुरंत टोका। उन्होंने कहा- आपने जो भी कहा है उसे साबित करिए, नहीं तो आपकी बात सदन के रिकॉर्ड पर नहीं जानी चाहिए। इस पर कांग्रेस नेता ने जवाब दिया- अभी देता हूं। तुरंत सारे सबूत देता हूं। हालांकि, स्पीकर ने राहुल को टोक दिया। उन्होंने कहा- मैंने तो सबूत मांगा ही नहीं है। आप बोलते रहिए।

● **दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है-** दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है। यह युद्ध का दौर है। गाजा, यूक्रेन को देख लीजिए। ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। भारत की सभी कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं जानता हूं कि उनको एपस्टीन से किसने मिलवाया था। हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने मिलवाया था। अमेरिका और चीन की नजर भारत के डेटा पर है। एआई के दौर में डेटा पेट्रोल की तरह है। हमारी सरकार ने बजट में डेटा पर विदेशी कंपनियों को 20 साल का टैक्स हॉलीडे दे दिया है। अगर हम अमेरिका से डील करते तो ट्रम्प से कहते कि आप भारतीयों के डेटा चाहते हैं तो बराबरी पर बात होगी। हम आपके नौकर नहीं हैं।

दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है

दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है। यह युद्ध का दौर है। गाजा, यूक्रेन को देख लीजिए। ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। हमारी सरकार ने बजट में डेटा पर विदेशी कंपनियों को 20 साल का टैक्स हॉलीडे दे दिया है। अगर हम अमेरिका से डील करते तो ट्रम्प से कहते कि आप भारतीयों के डेटा चाहते हैं तो बराबरी पर बात होगी। हम आपके नौकर नहीं हैं। अमेरिका तय नहीं करेगा कि हमें क्या करना है। पार्लियामेंट सेशन के दौरान, यूनियन मिनिस्टर प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी के बयान पर कहा, अगर हाउस के किसी मेंबर पर कोई आरोप लगता है, तो उस मेंबर को नोटिस दिया जाना चाहिए। अगर वह व्यक्ति हाउस का मेंबर नहीं है, तो ऐसे बेबुनियाद आरोप नहीं लगाए जा सकते।

अयोध्या की 'बाबरी' मस्जिद पाई-पाई को हो गई मोहताज

● एक करोड़ के भी पड़े लाले, अब विदेशी मुसलमानों से मांगेंगे मदद

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में बीते 25 नवंबर को धर्म ध्वजारोहण होने के बाद सभी तरह के निर्माण कार्य पूरे होने के लिए 30 अप्रैल की तारीख तय कर दी गई है। वहीं, दूसरी तरफ अयोध्या के धन्नीपुर गांव में बनने वाली मस्जिद का निर्माण कार्य अभी भी अधर में लटका है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यूपी सरकार की तरफ से इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट को, धन्नीपुर गांव में मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाई गई थी। लेकिन, मस्जिद के लिए धन संग्रह ना होने की वजह से अभी तक निर्माण कार्य रुका हुआ है। इस संबंध में ट्रस्ट के चेयरमैन जुफर अहमद फारुकी का कहना है कि मस्जिद का नक्शा पास करवाने और इसका निर्माण शुरू करवाने के लिए 15 करोड़ रुपये की धनराशि चाहिए, लेकिन ट्रस्ट के पास एक करोड़ का भी संग्रह नहीं हो पाया है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि रमजान के बाद अप्रैल में मस्जिद के नए डिजाइन का नक्शा जमा किया जा सकता है। तैयार किया जा रहा नया डिजाइन अवधी कल्चर का है। फारुकी ने बताया कि मस्जिद के लिए घर-घर जाकर रकम जमा नहीं होगी।

उत्तराखंड के पांच जिलों में महाशिवरात्रि पर 'मीट बैन'

● कांवड़ यात्रा के रास्तों पर चेकिंग तेज

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के 5 जिलों में महाशिवरात्रि पर मीट की बिक्री पर रोक रहेगी। इनमें नैनीताल, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर और उत्तरकाशी के कई इलाके शामिल है। इसके अलावा कांवड़ यात्रा के दौरान जो भी रूट पड़ेगा उन रास्तों पर मीट की दुकान बंद रखनी होगी। अगर कोई भी दुकानदार या लोग मीट बेचता और खरीदता हुआ दिखता है तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर घाटों और गंगा के किनारे सभी मांस की दुकानें बंद रहेंगी। अगर कोई बेचता और खरीदता हुआ दिखता है तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। इधर ऊधम सिंह नगर की विधानसभा काशीपुर के मेयर दीपक बाली ने शिवरात्रि के चलते पूरे शहर में 11 से 15 फरवरी तक कच्चे और पके मांस की बिक्री पर रोक लगा दी है। वहीं उत्तरकाशी में गंगा नदी के तट से 500 मीटर के दायरे में पशु वध और मांस की बिक्री प्रतिबंधित है।

लड़कियों को शादी के लिए अब 1 लाख मिलेंगे

● यूपी के बजट में की गई बड़ी व्यवस्था, 400 करोड़ की स्कूटी बांटेंगे

14 नए मेडिकल कॉलेज, 3 यूनिवर्सिटी खुलेंगी, 10 लाख को रोजगार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने चुनाव से पहले अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। 9 लाख 12 हजार करोड़ का ये बजट पिछले साल से 12त्न ज्यादा है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिलाओं, इंफ्रास्टक्चर पर खास फोकस किया गया।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 43 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं शुरू करने का ऐलान किया। अब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। 10 लाख युवाओं को रोजगार दिए जाएंगे। प्रदेश में 60 मेडिकल कॉलेज हैं, 14 नए और खोले जाएंगे। 3 यूनिवर्सिटीज को भी शुरू किया जाएगा। केंद्र की तरह ही राज्य सरकार 7 शहरों को स्मार्ट सिटी डेवलप करेगी। मेधावी छात्राओं को 400 करोड़ रुपए से स्कूटी बांटी जाएंगी। वहीं, मध्यम वर्ग को घर दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद नई न्यू रेजीडेंसियल स्कीम लॉन्च करेगी। 34 हजार करोड़ रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा।

● **योगी बोले- 18 स्पोर्ट्स कॉलेज खोले जाएंगे-** सीएम योगी ने कहा- चार चीनी मिलों की क्षमता विकसित करने के प्रावधान किए गए हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे को बढ़ाने के लिए घोषणा हुई है। युवाओं को डिजिटली सशक्त बनाने के लिए टैबलेट देने की व्यवस्था की गई है। एआई मिशन, डेटा सेंटर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस समेत आईटी सेक्टर में कई घोषणाएं की गई हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं। साथ ही सीएम आवासीय विद्यालयों के लिए बजट में हमने व्यवस्था की है। परिषदीय और विद्यालयों समेत उच्चतर विद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की व्यवस्था की है।

सुरक्षा परिषद को लेकर बदला चीन का स्टैंड!

● चीन का हृदय परिवर्तन, 4 साल में बदल गया विचार ● यूएनएससी में भारत की सदस्यता का कर रहा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का सम्मान करके हैरान कर दिया है। क्योंकि, चीन ही पहले इसमें अड़ंगा लगाता था। भारत के लिए उसका यह कहना कि वह इसकी इस आकांक्षा को समझता और सम्मान करता है, उसके हृदय परिवर्तन का संकेत लग रहा है। प्रश्न है कि जो चीन चाल साल पहले भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनने देने के लिए भी तैयार नहीं था, फिर वह ऐसा क्यों कहने लगा है। चीन के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शेरपा बैठक के लिए 8 से 10 फरवरी के लिए दिल्ली आए हुए थे। इसी ब्रिक्स शेरपा मीटिंग के लिए भारत आए चीन के कार्यकारी उप विदेश मंत्री मा झाओक्सू ने 10 फरवरी को विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ रणनीतिक संवाद में यह बयान दिया है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में चीन के बदले नजरिए के बारे कहा गया है, चीन की ओर से भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए समर्थन जताया गया है। कार्यकारी उप विदेश मंत्री (मा झाओक्सू) ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की सदस्यता की भारत की आकांक्षा को चीन समझता और सम्मान करता है।

● **भारत की दावेदारी पर चीन ने पहले क्या किया-** 2022 में भारत ने सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए आवेदन दिया था। तब इसके पांच स्थायी सदस्यों में चीन ही था, जिसने भारत की दावेदारी का समर्थन नहीं किया। जबकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच में से अन्य चारों स्थायी सदस्यों ने द्विपक्षीय स्तर पर आधिकारिक तौर पर भारतीय दावेदारी के प्रति समर्थन जाहिर की थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। यह दुनिया की सबसे ताकतवर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संस्था है। स्थायी सदस्यों में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम (यूके), रूस, फ्रांस और चीन हैं। अस्थायी सदस्यों का चुनाव हर दो साल पर संयुक्त राष्ट्र आम सभा करती है। लेकिन, वीटो का अधिकार स्थायी सदस्यों को सबसे अलग बनाता है और उनके समर्थन के बिना कोई भी प्रस्ताव पास नहीं हो सकता।

युवाओं को 10 लाख तक का लोन देगी राजस्थान सरकार

● बजट में बीकानेर-जैसलमेर में नए सोलर पार्क, हर घर नल का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने राज्य के 2026-27 के बजट में गांव और

शहर की आबादी को नल का पानी देने के लिए 6,800 करोड़ रुपये और बीकानेर और जैसलमेर में सोलर पार्क बनाने के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। साल 2026-27 का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री दीया कुमारी ने मौजूदा सरकार की ओर से किए गए स्ट्रक्चरल सुधारों और समझदारी भरे फाइनेंशियल मैनेजमेंट के असर पर रोशनी डाली और कहा कि राज्य का इकोनॉमिक साइज काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सीएम जल जीवन मिशन के तहत गांवों को कवर किया जाएगा और हर घर को नल के पानी से जोड़ा जाएगा। इस पर 4,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शहरों में 2,300 करोड़ रुपये से पानी दिया जाएगा।

● **पीएम मोदी के सिद्धांतों पर चल रहे हैं-** दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर, राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मुख्य सिद्धांतों को अपनाते हुए, राज्य को आर्थिक समृद्धि, टिकाऊ और समावेशी विकास के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। अपने बजट भाषण में उन्होंने कहा, 2047 तक एक विकसित राजस्थान के सपने को पूरा करने के लिए, मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार ने सेवा की है।

संक्षिप्त समाचार

पटना जंक्शन पर यात्रियों ने ट्रेन रोकी, ट्रैक पर उतरे, पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस में भीड़ से हंगामा

पटना। मंगलवार देर शाम पटना जंक्शन पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब अत्यधिक भीड़ के कारण 13350 पटना-सिंगरौली (पलामू) एक्सप्रेस में यात्री नहीं चढ़ पाए। नाराज यात्रियों ने प्लेटफॉर्म छोड़कर रेलवे ट्रैक पर उतरकर ट्रेन रोक दी और हंगामा किया। इस घटना के कारण ट्रेन घंटों विलंब से रवाना हुई। यह घटना रात करीब 7:15 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 9 पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिंगरौली एक्सप्रेस आने से पहले ही प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ जमा थी। ट्रेन रुकते ही यात्री डिब्बों में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे, लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण कई यात्री कोच में प्रवेश नहीं कर पाए और प्लेटफॉर्म पर ही छूट गए। इसी दौरान गुस्साए सैकड़ों यात्रियों में से करीब दो दर्जन से अधिक लोग रेलवे ट्रैक पर उतर आए। उन्होंने नारेबाजी करते हुए ट्रेन को रोक दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे स्टेशन पर कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने ट्रैक पर उतरे यात्रियों को समझाने और प्लेटफॉर्म पर लौटने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहा और ट्रेन यातायात बाधित रहा। स्थिति नियंत्रित नहीं होने पर रेल पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इसके बाद 18 यात्रियों को हिरासत में लिया गया। सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रेलवे अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस हंगामे के कारण सिंगरौली (पलामू) एक्सप्रेस करीब 45 मिनट तक प्लेटफॉर्म संख्या 9 पर खड़ी रही। ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से रात 7:56 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हो सकी। ट्रेन के विलंब से अन्य यात्रियों को भी परेशानी हुई और कुछ समय के लिए अन्य ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ा। रेल पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गया रूट पर मेगा ब्लॉक लगाए जाने के कारण कई ट्रेनों का परिचालन रद्द किया गया है। इसके चलते यात्रियों की संख्या अचानक सिंगरौली एक्सप्रेस में बढ़ गई, जिससे हालात बेकाबू हो गए। भीड़ बढ़ने से प्लेटफॉर्म पर अव्यवस्था फैल गई और अफरातफरी का माहौल बन गया।

8 हवाला और शराब धंधेबाज गिरफ्तार, फ्लैट में शख्स को बंधक बनाकर जमीन एग्रीमेंट का बना रहे थे दबाव

पटना। दानापुर पुलिस ने अवैध विदेशी शराब और नगदी के साथ आठ हवाला एवं शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक व्यक्ति को बंधक बनाकर जमीन एग्रीमेंट कराने का दबाव डालने का आरोप है। पुलिस ने इनके पास से 35 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब, चार लाख सोलह हजार रुपए नगद और 8 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए हवाला कारोबारी और शराब तस्करों की पहचान बक्सर जिले के सोनवर्षा निवासी अनीश कुमार, पटना के गर्दनीबाग निवासी राहुल कुमार, दानापुर त्रिमूर्ति नगर निवासी शिलानाथ गुप्ता, दानापुर आदर्श नगर गजाधर चक निवासी रोहित कुमार और रॉकी कुमार, दीघा थाना क्षेत्र के बाटागंज निवासी विशाल कुमार, तथा रामजीचक बाटा निवासी रवि किशन के रूप में हुई है। पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि दानापुर थाना पुलिस को गोला रोड स्थित एसएस अपार्टमेंट में कुछ व्यक्तियों द्वारा एक व्यक्ति को बंधक बनाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दानापुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 305 में बंधक बनाए गए शिलानाथ गुप्ता को अन्य लोगों के साथ पाया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे हवाला और शराब का कारोबार करते हैं। शिलानाथ गुप्ता ने उनके कारोबार में पैसे के लेन-देन और साइबर फ्रॉड किया था, जिसके कारण उसे बंधक बनाकर जमीन एग्रीमेंट करवाने का दबाव डाला जा रहा था। आगे की पूछताछ में यह भी पता चला कि अनीश कुमार, राहुल कुमार और शिलानाथ गुप्ता मिलकर हवाला का कारोबार करते थे। वे स्थानीय व्यवसायियों को 30 प्रतिशत लाभ का लालच देकर हवाला में पैसा लगाने को तैयार करते थे और इसी क्रम में उन्हें साइबर फ्रॉड का शिकार भी बनाते थे। इस संबंध में साइबर थाना में एक मामला दर्ज किया गया है, वहीं दानापुर थाना में भी कांड संख्या 160/26 दर्ज की गई है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चाचा ने भतीजे का अपहरण कर मांगा 3 लाख, शराब-ड्रग्स सप्लायर ने रची साजिश, 11 वर्षीय बालक बरामद

हाजीपुर। हाजीपुर के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मजलिसपुर गोखुला गांव में सोमवार को एक 11 वर्षीय बालक के अपहरण और फिरौती का मामला सामने आया। पुलिस दिनभर इस मामले को सुलझाने में जुटी रही। देर शाम बालक को बरामद कर लिया गया, जिसके बाद घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने बालक से विस्तृत पूछताछ के बाद उसे उसके परिजनों को सौंप दिया। संबंधित गांव के बृज किशोर की पत्नी ने ग्रामीणों को बताया कि उनका 11 वर्षीय बेटा सोमवार को स्कूल गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर एक कॉल आया, जिसमें अपहरणकर्ताओं ने तीन लाख रुपये की फिरौती मांगी। साथ ही धमकी दी गई कि अगर पुलिस को सूचना दी तो बच्चे की हत्या कर दी जाएगी। अपहृत बालक के पिता दिल्ली में एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। उन्होंने दिल्ली से ही बिदुपुर थाने में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर को फोन पर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और मामले की जांच शुरू कर दी। देर शाम पुलिस की सक्रियता और जांच को देखते हुए बालक का चचेरा भाई उसे लेकर थाने पहुंचा। उसने पुलिस को बताया कि वह बच्चे को ढूंढ रहा था और उसे जहुआ स्थित एक दवा की दुकान पर बैठा मिला, जहां से वह उसे थाने ले आया। थाने पहुंचने पर बालक ने पुलिस को बताया कि उसके चाचा दीपक कुमार उसे बाइक से स्कूलपुर से ले गए थे। उसने आरोप लगाया कि चाचा उसे दूर जंगल में ले गए, जहां उसके मुंह में कपड़ा ठूंसकर, हाथ-पैर बांधकर उसकी पिटाई की गई। बालक के सामने ही उसकी मां को फोन कर फिरौती की रकम मांगी गई। बालक ने बताया कि वह किसी तरह वहां से निकलकर बाजार पहुंचा। हालांकि, थाने में एक घंटे बाद बालक अपने पहले बयान से मुकर गया। पुलिस ने जब उससे गहनता से पूछताछ की, तो सच्चाई सामने आई। पता चला कि बालक के चाचा दीपक और छोटू नामक व्यक्ति दोनों अवैध शराब और ड्रग्स के धंधे से जुड़े हैं।

डीएम वर्षा सिंह ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर स्थित सदर अस्पताल में देर रात जिलाधिकारी (DM) वर्षा सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल परिसर से दो दलालों को गिरफ्तार किया गया और सात एम्बुलेंस जब्त की गईं। निरीक्षण के दौरान, डीएम ने सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों को पहचान पत्र (आईडी) लगाकर ड्यूटी करने का निर्देश दिया। उन्होंने मरीजों के परिजनों के लिए भी पहचान पत्र अनिवार्य करने के आदेश दिए, ताकि दलालों की पहचान आसानी से की जा सके। सदर अस्पताल के प्रवेश और निकास द्वार के बाहर एम्बुलेंस पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। निरीक्षण के दौरान, अस्पताल अधीक्षक गुड़िया कुमारी और अस्पताल मैनेजर मंजर आलम अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। यह कार्रवाई सदर अस्पताल हाजीपुर के शिशु वार्ड में नवजात शिशु की अदला-बदली की पिछली घटना के बाद की गई है। उस मामले में जिलाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर गठित टीम ने जांच की थी, जिसमें डॉक्टर सहित सात कर्मी दोषी पाए गए थे। इनमें से दो की सेवा समाप्त कर दी गई थी, जबकि पांच को स्थानांतरित किया गया था। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भी गहन निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम के पहुंचने से लगभग आधे घंटे पहले सदर एसडीओ राम बाबू बैठा भी अस्पताल पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान, दो दलाल किस्म के लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। जांच में इन दलालों के मोबाइल से निजी अस्पतालों की तस्वीरें और पैसों के लेनदेन के सबूत भी मिले हैं। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई निर्देशों के बाद की गई है और यह लगातार जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी पर तैनात सभी डॉक्टर, एम्बुलेंस कर्मी और स्वास्थ्य कर्मी अपना पहचान पत्र लगाकर ही काम करेंगे।

पटना कोर्ट उड़ाने की धमकी मेल के जरिए धमकी दी गई

एजेंसी, पटना

- पप्पू यादव की जमानत पर सुनवाई टली, पुलिस से भिड़े वकील, बोले- आप क्या कर रहे

पटना, दानापुर और किशनगंज सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार सुबह मेल के जरिए धमकी दी गई है। मेल में लिखा है कि, 'ठीक 1 PM बजे आपके कोट परिसर में 5 बम धमाके होंगे। पाकिस्तान-कनमोझी जिंदाबाद!'। एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया। फिलहाल, पुलिस ने कोर्ट परिसर को बंद कर दिया है और किसी भी को भी अंदर नहीं जाने दे रही है। पटना सिविल कोर्ट में आज पप्पू यादव के मामले पर सुनवाई होनी थी। लेकिन इस धमकी के बाद सुनवाई को टाल दिया गया है। ये छठी बार है जब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बार-बार धमकी मिलने के बाद वकीलों की पुलिस से बहस भी हुई। वकीलों ने पुलिस से कहा कि, आप लोग कर क्या रहे हैं?

किशनगंज कोर्ट को भी उड़ाने की धमकीः किशनगंज कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने दावा किया कि जज चैंबर, वॉशरूम और अन्य स्थानों पर आरडीएक्स जैसे विस्फोटक लगाए गए हैं, जिन्हें रिमोट से उड़ाया जा सकता है। एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली कराया गया।

पटना सिविल कोर्ट को छठी बार बम से उड़ाने की धमकीः यह छठी बार है, जब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। पटना सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विजय कुमार,का कहना है कि, 'पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुबह से ही कोर्ट को बंद कर दिया गया है। अभी कोई भी अधिकारी परिसर के भीतर नहीं जा रहे हैं। हम लोग भी बाहर आ गए हैं।यहां स्थिति बहुत खराब है। कोर्ट में आए अनिल कुमार द्विवेदी ने कहा कि, ये छठी बार धमकी मिली है। लगातार इस तरह की धमकी मिल रही है। इस पर प्रशासन का कहीं कोई ध्यान नहीं है और बिना किसी सूचना के गेट बंद किया गया। हम लोग सुबह 8 बजे से आकर यहां घूम रहे हैं। कोर्ट कब खुलेगा, नहीं खुलेगा, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हम लोग को सिर्फ यह कहा गया है कि अभी आप लोग अंदर न जाए। अंदर बम विस्फोट होने की संभावना है।

एक्सपर्ट बोले- आउटलुक से संपर्क करना चाहिएः साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट मुकेश चौधरी का कहना है कि, तुरंत आउटलुक से संपर्क कर आईपी एड्रेस हासिल करना चाहिए। आईपी एड्रेस मिलने में आमतौर पर ज्यादा समय नहीं लगता। यह मामला सीधे जान-माल की सुरक्षा से जुड़ा है। आशंका है कि धमकी देने वाला वीपीएन या प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल कर रहा हो। ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जरूरत पड़ने पर सीबीआई के माध्यम से मामला भारत पोल तक भेजा जाना चाहिए। किसी भी समय बड़ा खतरा हो सकता है।

पटना में एसटीएफ ने सूर्या डॉन को दौड़ाकर मारी गोली

एजेंसी, पटना

- पुलिस को देखते ही इनामी पिस्टल से फायरिंग करने लगा

पटना में बुधवार को STF और अपराधियों की बीच मुठभेड़ हुई है। इस एनकाउंटर में राजीव कुमार ऊर्फ सूर्या श्री को गोली लगी है। उसे NMCH में भर्ती कराया गया है। राजीव पर लूट, डकैती, अवैध हथियार रखने, चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त, धोखाधड़ी और शराब तस्करी समेत 24 से अधिक केस दर्ज हैं। वो खाजेकला थाना इलाके का रहने वाला है। उस पर पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा था।

STF को सूचना मिली थी कि राजीव गायघाट इलाके में छिपा हुआ है और बड़ी वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग कर रहा है। STF और पटना पुलिस की टीम ने राजवी को घेर लिया।

खुद को घिरा हुआ देखकर राजीव ने STF के जवानों पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में STF ने भी फायरिंग की। राजीव के पैर में एक गोली लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस और अपराधी के बीच 3 राउंड फायरिंग हुई है। उसके बाद STF की टीम ने उसे दबोच लिया। उसके पास से पिस्टल भी बरामद की गई है।

घटना के बाद पूरे गाय घाट इलाके को पुलिस ने घेर लिया है। अतिरिक्त बल की तैनाती कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। मुठभेड़ के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी की नई टीम बनी

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने बिहार में संगठन को और सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए 40 संगठन जिलों के जिला संयोजकों और सह संयोजकों के नामों की घोषणा की है। साथ ही पार्टी के 11 प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों का भी ऐलान किया गया है। यह घोषणा आज पटना स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष और विधायक आलोक कुमार सिंह ने की।

11 प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष घोषितः पार्टी ने सामाजिक एवं व्यावसायिक वर्गों को संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से 11 प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि इन प्रकोष्ठों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पार्टी की पहुंच मजबूत की जाएगी और मुद्दों को संगठित तरीके से उठाया जाएगा। 40 संगठन जिलों के जिला संयोजकों एवं सह संयोजकों का भी मनोनयन किया गया। इसमें भी कई जरूरी नाम हैं।

गोपालगंज- सुमेर कुशवाहा समेत अन्य 40 संगठन जिलों में संयोजक एवं सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शेष जिलों की सूची भी जल्द सार्वजनिक की जाएगी।

संगठन विस्तार पर दिया जाएगा जोरः प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। नव-नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करें, अधिक से अधिक युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ें तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने यह भी कहा कि रालोमो बिहार में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रहा है और संगठनात्मक मजबूती ही इसकी सबसे बड़ी ताकत होगी।

कदमकुआं में महिला वकील की झुलसी बॉडी मिली

एजेंसी, पटना

- पटना हाई कोर्ट, सिविल कोर्ट में करती थीं प्रैक्टिस, रांची में रहता है पति

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला वकील की झुलसी बॉडी उनके घर से मिली है। राजेंद्र नगर रोड नम्बर 2 में बॉडी पाई गई है। सूचना मिलते ही कदमकुआं थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। मृतक की पहचान इंदिरा लक्ष्मी उम्र 60 साल के तौर पर हुई है। वह पटना हाई कोर्ट और सिविल कोर्ट दोनों जगह प्रैक्टिस करती थीं। बताया जा रहा है कि उनके पति रांची में रहते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला वकील के पति और दूसरे परिजन पोस्टमॉर्टम रूम पहुंच गए हैं।

संदिग्ध परिस्थिति में मौतः जानकारी के मुताबिक, घटनास्थल से किरोसिन, माचिस, एक दिया मिली है। गेट चारों तरफ से बंद था। मुख्य दरवाजे पर ताला लगा था, जो दोनों तरफ से खुल सकता है। सुबह केयर टेकर महिला ने महिला वकील को जली अवस्था में बॉडी देखी थी। केयर टेकर के मुताबिक, रात में 12 बजे तक बरामदे में बैठी थीं। एक फरवरी को रांची में पति के पास से लौटकर पटना आई थी। इसके बाद प्रैक्टिस के लिए भी नहीं जा रही थीं। कदमकुआं DSP राजेश रंजन ने बताया कि, 'लगभग 7.40 बजे सूचना मिली कि कदमकुआं रोड नम्बर दो में राजेंद्र नगर में एक महिला अपने घर में जल गयी हैं। पुलिस टीम वहां गई तो पाया कि महिला अपने घर में निचले तले में अकेले रहती थी और बरामदे में बाहर उनका शव जले हालत में पड़ा था।' जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उनके पति रांची में रहते हैं और उनके एक लड़की है, जो दिल्ली में रहती है। उनके पीछे एक केयर टेकर के रूप में महिला रहती है। उनके फ्लैट के ऊपर देवर रहते हैं, जो सुबह उठे थे तो उन लोगों ने शव जली हालत में देखा।

मग में मिला किरोसिन तेल, घर पर रहती थी अकेली- पुलिसः DSP राजेश रंजन ने बताया कि, महिला का 65 वर्ष की थी। वह अधिवक्ता के रूप में काम करती थीं और अकेली ही रहती थीं। जांच के क्रम में वहां पर FSL की टीम द्वारा बताया गया कि वहां एक मग में कुछ किरोसिन तेल पाया गया। लगता है कि राशन तेल बॉडी पर डाला था। टीम जांच के बाद ही प्रतिवेदन देगी।

वकीलों ने की जांच की मांगः घटना की जानकारी मिलने के बाद पटना सिविल कोर्ट के वकीलों में भी शोक है। अधिवक्ता ऋषिकेश नारायण ने इस घटना पर दुःख जताया है। साथ ही साथ मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, जिस घर से शव बरामद किया गया है, वह बिल्डिंग काफी पुरानी है। G+1 की बिल्डिंग है। घटना के वक्त दूसरे फ्लैट में रेंटर और कुछ परिवार के लोग भी थे। महिला ग्राउंड फ्लैट में रहती थीं।

कोहरे के चलते पेड़ से टकराई बाराती बस, 3 की मौत, सुपौल में घना कोहरा, जीरो विजिबिलिटी

एजेंसी, पटना

- पटना से चलने वाली 4 ट्रेनें लेट, 1 कैंसिल

समस्तीपुर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह-सुबह धूप निकली है। वहीं सुपौल में घना कोहरा छाया हुआ है। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी जीरो है। कोहरे की वजह से 4 ट्रेनें लेट चल रही हैं, जबकि पाटलिपुत्र एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। कुहासे की वजह से मोतिहारी में सड़क हादसा हो गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। बारात में शामिल होने जा रही एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वह करीब 20 मीटर दूर जा गिरा। मृतकों की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के विनोद प्रसाद(55), उनके चचेरे भाई अनिल प्रसाद(35) और उपमुखिया गजेंद्र दास(40) के रूप में हुई है। ये तीनों एक ही गांव के निवासी थे।

ऐसा मौसम क्यों बना हुआ है- क्या है कारणः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार में शुष्क मौसम बनने की सबसे बड़ी वजह पश्चिमी विक्षोभ की कमजोर स्थिति और बारिश की गतिविधि का कम होना है। जब बादल और बारिश कम होती है तो दिन में धूप ज्यादा निकलती है और तापमान बढ़ने लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह से उत्तर भारत में मौसम सामान्य होना शुरू हो जाता है, क्योंकि सूर्य की गर्मी बढ़ने लगती है और दिन बड़े होने लगते हैं। इसी कारण दिन में तापमान बढ़ता है जबकि सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रहती है।

मौसम वैज्ञानिक बोले- फिलहाल नहीं बदलेगा मौसमः मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में आने वाले दिनों में बड़े मौसम बदलाव की संभावना कम है। राज्य में अगले कुछ दिनों तक शुष्क मौसम रहने और हल्के कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना जताई गई है।

अगले 7 दिनों तक कैसा रहेगा मौसमः मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अगले एक सप्ताह तक बिहार में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। अधिकतर जिलों में बारिश की संभावना कम रहेगी। सुबह हल्का कोहरा संभव, दिन में धूप और हल्की गर्माहट के साथ रात में हल्की ठंड महसूस हो सकती है।

वेलेंटाइन डे पर पटना में विशेष निगरानी की मांग

एजेंसी, पटना

हिंदू शिवभवानी सेना ने 14 फरवरी वेलेंटाइन डे को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन से सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखने की मांग की है। संगठन ने कहा है कि पार्कों, कॉलेज परिसरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वेलेंटाइन डे के नाम पर किसी भी प्रकार की अश्लीलता या फूहड़ता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि वेलेंटाइन डे के बहाने कुछ लोग समाज में गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं। हालांकि, प्रशासन की ओर से अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अश्लील गतिविधियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाईः लव कुमार सिंह ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि, यदि 14 फरवरी को सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील गतिविधियां करते हुए लोग पाए गए तो संगठन सामाजिक और नैतिक स्तर पर उसका प्रतिकार करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद यदि कोई सामाजिक मर्यादा का उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी जाएगी। हर साल वेलेंटाइन डे को लेकर शहर के प्रमुख पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई जाती है। वेलेंटाइन डे को लेकर कई सामाजिक संगठनों की सक्रियता भी बढ़ गई है। कुछ संगठन इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताते हुए विरोध करते हैं।

राजद ने सीएम नीतीश कुमार को बताया 'जिंदा लाश'

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में एक बार फिर सोशल मीडिया वॉर तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) और जनता दल यूनाइटेड (JDU) के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिल रही है। दोनों दलों ने अपने X अकाउंट से एक-दूसरे पर कड़े शब्दों में हमला बोला है। पहले RJD ने X पर पोस्ट किया, जिंदा लाश कुछ समय और अगर गद्दी पर बैठा रहा तो बिहार जिंदा मुर्दा हो जाएगा। इससे जवाब में JDU ने भी पोस्ट किया- 'काश ऐसा 'लाश' तुम्हारा बाप होता, कम से कम बिहार अपना अस्तित्व तो न खोता।' 9 फरवरी को विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 'लड़की' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा 'ये जो लड़की है, इसका क्या है? इसको कुछ आता है? ई कोई काम की है? इसके पति हट गए, तो कुछ दिन बाद इसी को मुख्यमंत्री बना दिया गया। ई लोग 15 साल तक कुछ काम नहीं किए और आज बोल रहे हैं। ये कोई तरीका है? ई लोग फालतू हैं। इन पर तो एक्शन लिया जाना चाहिए।' नीतीश कुमार ने आगे कहा- 'ये लोग आज तक कुछ किए ही नहीं, तो यहां आकर क्यों खड़े हो रहे हैं? जो लोग पहले सरकार में थे, क्या उन्होंने कोई काम किया? कुछ नहीं किया।

पटना नगर निगम अप्रैल से होगा डिजिटल, ई-ऑफिस लागू होने के बाद पूरा सिस्टम होगा पेपरलेस

एजेंसी, पटना

- फाइलों की हो रही स्कैनिंग

पटना नगर निगम अब अप्रैल से पूरी तरह से डिजिटल हो जाएगा। पटनावासियों को बेहतर सुविधा देने और ऑफिस के कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए निगम प्रशासन ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने जा रहा है। इसके लिए फाइलों की स्कैनिंग तेज हो गई है। इसके साथ ही मुख्यालय में आम जनता की सुविधा के लिए दो स्पेशल हेल्प डेस्क के काउंटर भी खुलेंगे। यहां नागरिकों की हर समस्या का समाधान आसानी से होगा।

फाइलें डिजिटल होने से ऑनलाइन ट्रैकिंग आसान होगीः अभी छोटी सी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए भी लोगों को सीधे अधिकारियों के चेंबर तक जाना पड़ता है। इससे अधिकारियों के रूटीन काम प्रभावित होते हैं। जनता को भी यह पता नहीं चल पाता कि उनका काम किस खिड़की पर होगा। एक काउंटर जो लंबे से समय से कार्यरत नहीं था, उसे शुरू कर दिया गया है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि, 'ई-ऑफिस से कामकाज में पारदर्शिता आएगी। सभी फाइलें अब डिजिटल होने से ऑनलाइन ट्रैकिंग आसान हो जाएगी।'

ई-ऑफिस लागू होते ही पूरा सिस्टम होगा पेपरलेसः निगम के अधिकारियों ने बताया कि ई-ऑफिस की सुविधा अप्रैल महीने से शुरु होगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सभी काम डिजिटाइज्ड कर दिए जाएंगे। ई-ऑफिस एक ऐसा माध्यम है जो सरकारी कामकाज को सरल, प्रभावी और जवाबदेह बनाता है। वर्तमान में पटना नगर निगम में फाइलों का प्रबंधन मैन्युअल तरीके से होता है, जिससे किसी काम के पूरा होने में वक्त लगता है। ई-ऑफिस लागू होने के बाद पूरा सिस्टम पेपरलेस हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठगी मामले में रामगढ़वा पुलिस की कार्रवाई में चार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा। थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर साइबर ठगी में संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जुनैद आलम (पिता–सोहराब हुसैन), वसीम अख्तर (पिता–जावेद आलम), आसिफ राज (पिता–मोहम्मद जफरुल) और अफसर अली (पिता–मोहम्मद हसनैन) शामिल हैं। सभी आरोपी सकरार बहुअरी गांव के निवासी बताए जाते हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह एटीएम कार्ड, एक डेबिट कार्ड, एक पासबुक, चार मोबाइल फोन, एक एलईडी, एक मॉनिटर और एक सीपीयू बरामद किया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। साइबर ठगी से जुड़े अन्य संभावित नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा: भैंस के कुचलने से किसान की मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम @ पताही। थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना में एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मिर्जापुर गांव के वार्ड संख्या 2 निवासी सकल साह के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार सकल साह रोज की तरह अपनी भैंस को दूसरे स्थान से लाकर घर के पास चारा खिलाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भैंस बेकाबू हो गई। बताया जाता है कि भैंस ने किसान को जोरदार धक्का दे दिया, जिससे वे जमीन पर गिर पड़े। गिरने के बाद भैंस ने उनके सीने पर पैर रखकर कुचल दिया। घटना इतनी अचानक और भयावह थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर दौड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। किसान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव के लोग बड़ी संख्या में उनके घर पर जुट गए और परिजनों को ढांढस बंधाने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सकल साह मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। वे खेती-बाड़ी और पशुपालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर पशुपालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

बेतिया में पांच लाख की रंगदारी कांड का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। बानुछपार थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने और अपहरण के प्रयास के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को सकुशल बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 फरवरी 2026 को अब्दुल कलाम (उम्र लगभग 55 वर्ष), पिता स्व. नथ्थु मियाँ, निवासी बानुछापर वार्ड संख्या-29 ने थाना में आवेदन देकर बताया कि 2 फरवरी की सुबह रजनीश पाठक, अमित कुमार, मनीष कुमार, जयप्रकाश प्रसाद और मो. औरंजेब आलम सहित अन्य लोग उनके घर पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए पांच लाख रुपये रंगदारी की मांग की। रुपये नहीं देने पर सिलिगुड़ी में रह रहे उनके पुत्र मो. आजाद का अपहरण करने की धमकी दी गई। इस आधार पर बानुछपार थाना कांड संख्या-20/26 दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। कुछ देर बाद वादी के पुत्र मो. आजाद ने सूचना दी कि आरोपियों द्वारा उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एसडीपीओ सदर-1 बेतिया विवेक दीप के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। श्रीनगर पूजहाँ थाना के सहयोग और त्वरित सूचना आदान-प्रदान के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया तथा पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में रजनीश पाठक (मझौलिया), अमित कुमार और मनीष कुमार (बानुछापर), जयप्रकाश प्रसाद तथा मो. औरंजेब आलम (श्रीनगर पूजहाँ) शामिल हैं। छापेमारी दल में डीएसपी विवेक दीप, बानुछपार थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, श्रीनगर पूजहाँ थानाध्यक्ष अमित कुमार, एसआई जयशंकर दुबे, एसआई रानी कुमार तथा दोनों थानों के पुलिसकर्मी शामिल थे।

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध बेतिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चनपटिया थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई (DIU) की संयुक्त टीम ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 2.264 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। जानकारी के अनुसार 10 फरवरी 2026 को चनपटिया थानाध्यक्ष एवं जिला आसूचना इकाई को सूचना मिली कि मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति चरस और अन्य मादक पदार्थ तस्करी के लिए ले जा रहे हैं। सूचना मिलने पर इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण बेतिया को दी गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तत्काल छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने चनपटिया रेलवे स्टेशन से एक पुरुष और एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर बीती रात तीसरे अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में विनोद सहनी (शिवाघाट, गोपालपुर), चांदनी सिंह (नगर थाना क्षेत्र) और ओमप्रकाश सहनी (शिवाघाट, गोपालपुर) शामिल हैं। इस मामले में चनपटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। छापेमारी दल में चनपटिया थानाध्यक्ष प्रभाकर पाठक, डीआईयू मद्यनिषेध प्रभारी राजेश कुमार, एसआई शशिकांत दुबे, एएसआई सुनील कुमार तथा जिला आसूचना इकाई एवं चनपटिया थाना के पुलिसकर्मी शामिल थे।

रक्सौल में काली सेना की पहली कार्यकारिणी बैठक संपन्न

बीएनएम @ रक्सौल। शहर के काली न्यास मंदिर परिसर में काली सेना (राष्ट्रीय) की कार्यकारिणी सदस्यों की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महिलाओं के स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उड़द दाल और तिसी (अलसी) की तिलौरी का निर्माण घरेलू स्तर पर शुरू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से अति पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। काली मंदिर के पीठाधीश्वर सेवक संजय नाथ महाराज ने इस अवसर पर महिलाओं को निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की घोषणा की और महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास को आशीर्वाद दिया। बैठक में उपस्थित महिलाओं ने संगठन के विस्तार और स्वावलंबन के लिए ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि तैयार किए जाने वाले सभी उत्पाद शुद्धता, स्वाद और स्वच्छता के मानकों के अनुरूप होंगे। इस अवसर पर पार्वती तिवारी ने कहा कि अति पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए यह एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में काली सेना महिलाओं के स्वरोजगार के क्षेत्र में एक बड़ा नाम बनेगी। कार्यक्रम में काली सेना की पूर्णिमा देवी, रिंकू देवी, पूजा देवी, रमकली देवी, आसमा खातून और नीलू देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं।

ग्रेट ब्रिटेन के स्कॉलैंड मे मोतिहारी के प्रो ध्रुव लड़ेंगे चुनाव, जबरदस्त समर्थन

स्कॉटलैंड की राजनीति में बिहार के चम्पारण के छौडादानों से निकले प्रो. ध्रुव कुमार का नाम इन दिनों चर्चा में है।

अल्बा पार्टी ने उन्हें 2026 के स्कॉटिश संसदीय चुनाव के लिए ग्लास्गो रीजनल लिस्ट का उम्मीदवार घोषित किया है। इस उपलब्धि पर बीएनएम के संपादक सागर सूरज ने उनसे विशेष टेलीफोनिक बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश:

ध्रुव कुमार आज भी चम्पारण सत्याग्रह और नील किसानों के संघर्ष को अपने जीवन की प्रेरणा मानते हैं। उनके लिए चम्पारण से निकलकर स्कॉटिश संसद के दरवाज़े तक पहुँचना भारतीय संकल्प और स्कॉटलैंड की लोकतांत्रिक खुली परंपरा—दोनों का प्रतीक है।

• प्रश्न 1: चम्पारण से स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव के प्रत्याशी के रूप मे दूसरी बार चुनाव लड़ने की यह यात्रा कितनी चुनौतीपूर्ण है?

प्रो. ध्रुव कुमार:

यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि वैचारिक भी रही है। चम्पारण की धरती ने मुझे अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह की विरासत ने सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष का साहस दिया। स्कॉटलैंड आकर शिक्षा और सामाजिक आंदोलनों से जुड़ा, फिर राजनीति में सक्रिय हुआ। आज होलीरूड चुनाव मैदान में उतरना मेरे लिए व्यक्तिगत उपलब्धि से अधिक उन मूल्यों की जीत है, जो मैंने भारत की मिट्टी से सीखे।

• प्रश्न 2: आपकी राजनीति का मुख्य एजेंडा क्या है?

प्रो. ध्रुव कुमार:

मेरा स्पष्ट मानना है कि स्कॉटलैंड को आर्थिक और राजनीतिक संप्रभुता की आवश्यकता है। महंगाई, आवास संकट और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान तभी संभव है जब निर्णय लेने की पूरी शक्ति स्कॉटलैंड के पास हो। मैं 'स्कॉटिश एनर्जी पैरेडॉक्स' को लगातार उठाता रहा हूं—जहां संसाधन प्रचुर हैं, फिर भी आम लोग ऊंचे बिलों से परेशान हैं। सार्वजनिक स्वामित्व और न्यायपूर्ण ऊर्जा नीति समय की मांग है।

• प्रश्न 3: हिंदूफोबिया के खिलाफ स्कॉटिश संसद में प्रस्ताव पारित कराने में आपकी भूमिका ऐतिहासिक मानी जा रही है। इसे आप कैसे देखते हैं?

प्रो. ध्रुव कुमार:

यह मेरे लिए अत्यंत भावनात्मक विषय था। मैंने "Hinduphobia in Scotland" पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की और विभिन्न सांसदों से संवाद किया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से इस मुद्दे को संसद में उठाना और प्रस्ताव पारित कराना केवल एक समुदाय की जीत नहीं, बल्कि समानता और सम्मान के सिद्धांत की जीत है। दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों ने इसे सराहा, जो मेरे लिए गर्व का क्षण रहा।

प्रश्न 4: भारत और स्कॉटलैंड के बीच आप किस प्रकार के सहयोग की कल्पना करते हैं?

प्रो. ध्रुव कुमार:

मैं "गंगा–क्लाइड आर्थिक कॉरिडोर" की अवधारणा का समर्थक हूं। नवीकरणीय ऊर्जा, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और उद्योग—इन क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अपार संभावनाएं हैं। इंजीनियरिंग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की मेरी पृष्ठभूमि मुझे यह विश्वास दिलाती है कि आर्थिक साझेदारी दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगी।

• प्रश्न 5: ग्लास्गो की जनता के लिए आपका संदेश क्या है?

प्रो. ध्रुव कुमार:

मैं जमीनी राजनीति में विश्वास करता हूं। बेहतर वेतन, सुरक्षित रोजगार, सस्ती आवास व्यवस्था और मजबूत एनएचएस—ये मेरी प्राथमिकताएं हैं। ट्रेड यूनियन आंदोलनों में मेरी भागीदारी इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। यदि जनता मुझे अवसर देती है, तो मैं उनकी आवाज़ को होलीरूड तक पूरी मजबूती से पहुंचाऊंगा।

बातचीत के अंत में प्रो. ध्रुव कुमार ने कहा कि चम्पारण से मिली प्रेरणा आज भी उनके राजनीतिक जीवन का आधार है। उनका मानना है कि यह सफर केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि भारतीय संकल्प और स्कॉटलैंड की लोकतांत्रिक परंपरा का संगम है।

स्कॉटलैंड में चुनावी सरगर्मी तेज है, और ग्लास्गो की धरती पर एक बिहारी मूल का नेता सामाजिक न्याय और स्वतंत्रता की आवाज़ बनकर उभर रहा है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं: बेकाबू स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, तीन की मौत

बीएनएम @ मोतिहारी @ श्रीनिवास कुमार

घोड़ासहन-ढाका मुख्य मार्ग पर मंगलवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। महादेवा मसान चौक के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में दूल्हे के पिता, उनके भाई और गांव के उपमुखिया की जान चली गई, जिससे शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। मृतकों की पहचान विनोद प्रसाद (55 वर्ष), अनिल प्रसाद (35 वर्ष) और उपमुखिया गजेंद्र दास (40 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी लोग राजेपुर थाना क्षेत्र से पकड़ीदयाल के सिरहा गांव से घोड़ासहन स्थित एक विवाह भवन में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो की रफ्तार काफी तेज थी और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने चालक के नशे में होने की आशंका जताई है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। इस घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने व्यस्त सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के कड़े उपायों की मांग की है।

विद्यालयों में आपदा सुरक्षा को लेकर एसडीएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के विद्यालयों में आपदा के समय बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरदाहा में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति (SDMC) के सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) के प्रशिक्षक हामिद रज़ा एवं सत्यप्रकाश ने आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक दीप नारायण ठाकुर, शिक्षक सुनील सहनी, शिक्षक प्रकाश कुमार सहित दोनों विद्यालयों की SDMC के छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र के दौरान भूकंप, बाढ़, आंधी-तूफान, लू, आग, बिजली और गैस रिसाव जैसी प्राकृतिक एवं मानव-जनित आपदाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय परिसर में संभावित जोखिमों की पहचान, सुरक्षित निकासी मार्ग, असेंबली प्वाइंट तय करने तथा विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना (SDMP) तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने आपदा के समय क्या करें और क्या न करें विषय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। मॉक ड्रिल, प्राथमिक उपचार तथा आपदा के बाद बच्चों को मानसिक सहयोग प्रदान करने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में समूह चर्चा के माध्यम से विद्यालय-विशेष समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसे विद्यालयों में आपदा सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण और व्यवहारिक पहल बताया गया।

गांधी मैदान में जिला स्तरीय दिव्यांग चयन प्रतियोगिता संपन्न, 29 खिलाड़ी प्रमंडल के लिए चयनित

बीएनएम @ मोतिहारी

खेल विभाग, बिहार, पटना, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय दिव्यांग चयन प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन बुधवार को गांधी मैदान, मोतिहारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला एथलेटिक संघ के सचिव अरविंद कुमार, शारीरिक शिक्षक संघ के सचिव सुनील कुमार, भानु प्रकाश, खेल विभाग से मोहम्मद मुबाशिर, रमेश कुमार, अर्जित कुमार यादव, गौतम कुमार, मुकेश कुमार, पुष्पेंद्र ओझा, प्रखंड साधन सेवी (दिव्यांगता) तुरकौलिया अमन पांडे, ऋषि राज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कुल 29 दिव्यांग खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों को 12 फरवरी 2026 को मुजफ्फरपुर में आयोजित प्रमंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा जाएगा। वहां से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में अभिनय कुमार, हरवंश कुमार, रजनीश कुमार, मानस राज, अवनीश कुमार, आकिब राजा, बादल कुमार, दीपक कुमार, धनंजय कुमार, प्रियेश कुमार, सत्यम कुमार, सुमित कुमार, रिया कुमारी, मंतोष कुमार, मंतूरण कुमारी, सियापति कुमारी, रेशमा खातून, इम्तियाज आलम, रोहित कुमार, पिंटू कुमार, दिलीप कुमार, रजनीश कुमार, लजीना खातून, नीतीश कुमार, समसुद्दीन राय, गुलटेन कुमार, लोथल कुमार, छोटी कुमारी एवं आनंद कुमार साहनी शामिल हैं। आयोजकों ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

संगठित चोर गिरोह का खुलासा, सात अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मोतिहारी पुलिस ने संगठित चोर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में संतोष सहनी के नेतृत्व वाले संगठित चोरी गिरोह का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार पिपरा कोठी थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र में सक्रिय चोरी गिरोह के सदस्य मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर सदर डीएसपी-वन दिलीप कुमार और सदर डीएसपी-दो जितेश पांडे के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने छापेमारी कर पिपरा कोठी थाना क्षेत्र के वाटगंज से गिरोह के सात सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी के अलग-अलग मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई में डीएसपी के साथ पिपरा कोठी थानाध्यक्ष एवं थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

एमजीसीयू में पोस्ट बजट डिस्कशन सेशन आयोजित, विकसित भारत @2047 पर हुई चर्चा

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के प्रबंधन विज्ञान विभाग द्वारा इंडस्ट्री–एकेडेमिया रिसर्च लैब, एमजीसीयूबी के सहयोग से "पोस्ट बजट डिस्कशन सेशन" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्रीय बजट के विभिन्न आयामों पर अकादमिक विमर्श करना और विद्यार्थियों को समसामयिक आर्थिक नीतियों की समझ प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष (HOD) प्रो. सपना सुगंधा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने पोस्ट बजट चर्चा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नीति निर्माण की प्रक्रिया समझने और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने का अवसर देते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अतुल कुमार सरन उपस्थित रहे। उन्होंने केंद्रीय बजट को "मॉडरेट" बताते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत विजन @2047 से प्रेरित है। उन्होंने आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष बल देते हुए कहा कि सड़क, रेल, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक कॉरिडोर में निवेश से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रो. सरन ने कृषि, एमएसएमई, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्टार्टअप, कर संरचना और राजकोषीय प्रबंधन से जुड़े प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की और बजट के सकारात्मक पहलुओं के साथ चुनौतियों का भी विश्लेषण प्रस्तुत किया। सत्र के दौरान एमबीए तथा एमबीए (फूड एंड एग्री बिजनेस मैनेजमेंट) के विद्यार्थियों ने कृषि, ग्रामीण विकास, उद्यमिता, महंगाई नियंत्रण और रोजगार सृजन से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य वक्ता ने विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के अंत में विभाग के गेस्ट फैकल्टी डॉ. कमलेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रबंधन विज्ञान विभाग के प्रो. सरोज रंजन, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शिवेंद्र सिंह, गेस्ट फैकल्टी राजीव रंजन, प्रसून श्रीवास्तव, श्री बाला और रश्मि राज सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाई गई

बीएनएम @ मोतिहारी

बुधवार को उद्योगपति एवं भाजपा युवा नेता यमुना कुमार सीकरीया द्वारा अपने सीकरीया फार्मेसी कॉलेज परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 'समर्पण दिवस' के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यमुना सीकरीया ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के मूल्यों पर आधारित सिद्धांत और विचार देश की हर पीढ़ी के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि "अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का विकास ही राष्ट्र की विचारधारा का वास्तविक परिचालक है।" ऐसा युगांतकारी विचार देने वाले दीनदयाल जी असंख्य पीढ़ियों के लिए राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा बने रहेंगे।उन्होंने आगे कहा कि आज उनके विचार भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से देश के विकास हेतु निरंतर प्रयासरत हैं तथा विश्व भी भारतीय संस्कृति और संस्कारों से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहा है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और समाज सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सपही में किसान के घर चोरी, नकदी और जेवरात समेत करीब चार लाख की संपत्ति गायब

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के सपही गांव में अज्ञात चोरों ने एक किसान के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर नकदी और जेवरात सहित करीब चार लाख रुपये की संपत्ति लेकर फरार हो गए। पीड़ित किसान सुरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि रात में परिवार के सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने कमरों में सो गए थे। देर रात चोर घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए और सो रहे लोगों के कमरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए। इसके बाद घर में रखी पेटी और अटैची उठाकर अपने साथ ले गए, जिनमें नकदी और जेवरात रखे थे। बताया जाता है कि चोरों ने घर से लगभग 500 मीटर दूर एक बागान में पेटी और अटैची को तोड़कर उसमें रखे करीब 1.30 लाख रुपये नकद और ढाई से तीन लाख रुपये के जेवरात निकाल लिए और खाली पेटी वहीं छोड़ दी। रात में कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर परिजनों को शक हुआ। जब उन्होंने दरवाजा खोलने की कोशिश की तो वह बाहर से बंद मिला। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे और दरवाजा खोला गया। तब तक पेटी और अटैची गायब थी। घटना की सूचना रात में ही पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की, लेकिन चोरों का पता नहीं चल सका। पीड़ित किसान ने थाने में आवेदन दिया है। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और चोरी गए सामान की बरामदगी तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पूर्व छात्र ने स्कूल को दिया डिजिटल उपहार, ई-लाइब्रेरी के लिए दो कंप्यूटर भेंट

बीएनएम @ अरेराज। अपने पुराने विद्यालय के प्रति जुड़ाव और जिम्मेदारी का उदाहरण पेश करते हुए दमड़ी अशर्फी उच्च माध्यमिक विद्यालय संग्रामपुर के पूर्व छात्र दिनेश उपाध्याय ने स्कूल की ई-लाइब्रेरी के लिए दो आधुनिक कंप्यूटर सेट दान किए। उनके इस योगदान से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं शिल्पी, रानी और परी प्रिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता रवि त्रिपाठी, पूर्व प्रमुख बिनु त्रिपाठी और समाजसेवी मोटर तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिनाथ प्रसाद और वरीय शिक्षक रोहन पांडे ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तकनीकी दौर में कंप्यूटर शिक्षा बेहद आवश्यक हो गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व छात्रों का सहयोग ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाएं पैदा करता है। कार्यक्रम में शिक्षक आनंद कुमार, विनोद कुमार, सुष्मिता कुमारी, सुधीर सुमन और ऋषि कुमार सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। सभी ने दिनेश उपाध्याय के इस प्रयास को प्रेरणादायी बताया।

दरभंगा कोर्ट के आदेश से मजबूत होगा बार एसोसिएशन

बीएनएम @ दरभंगा। दरभंगा जिला न्यायालय द्वारा जिला बार एसोसिएशन के कल्याण के लिए की गई अनूठी पहल ने न्यायिक जगत में सकारात्मक संदेश दिया है। उत्पाद मामलों के विशेष न्यायाधीशों द्वारा अभियुक्तों पर आर्थिक दंड के रूप में जमा की गई राशि को बार एसोसिएशन के खाते में भेजने के आदेश का अधिवक्ताओं ने व्यापक स्वागत किया है।इस पहल के तहत, उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश रविशंकर कुमार की अदालत ने मंगलवार और बुधवार को चार विभिन्न मामलों में कुल 21 हजार रुपये जिला बार एसोसिएशन के खाते में जमा करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में, एक अन्य विशेष न्यायाधीश श्रीराम झा की अदालत ने भी दो मामलों में 15 हजार रुपये जमा कराने का आदेश दिया। संबंधित अभियुक्तों ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से यह राशि बार एसोसिएशन, दरभंगा के खाते में जमा कर दी है।न्यायालय के इस कदम से एसोसिएशन से जुड़े लगभग 2,200 अधिवक्ताओं में खुशी की लहर है। वकीलों का मानना है कि 'बार और बेंच' एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और इनके बीच का समन्वय ही न्याय प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। बार एसोसिएशन के महासचिव कृष्ण कुमार मिश्रा ने न्यायाधीशों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि अधिवक्ताओं के कल्याणकारी कार्यों में सहायक होगी। अधिवक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि बार एसोसिएशन की मजबूती अंततः न्याय व्यवस्था को ही सुदृढ़ बनाती है क्योंकि अधिवक्ता ही इस प्रणाली की आधारशिला होते हैं।

मारपीट मामले में बोलेरो से हथियार बरामद, तीन नामजद आरोपी पर केस दर्ज

बीएनएम @ रामगढ़वा

पूर्व विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हथियार बरामद किए हैं और तीन नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि बुधवार को सूचना मिली थी कि गाद बहुअरी के गोलू (पिता– शामिल अख्तर) और बाबुईया गांव के रौशन कुमार (पिता– रामुना सिंह) के बीच पुराने विवाद को लेकर मारपीट हो रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखते ही आरोपी फरार हो गए। प्राथमिक जांच में पता चला कि बोलेरो और मोटरसाइकिल से आए गोलू और उसके साथियों ने रौशन कुमार के साथ मारपीट की। ग्रामीणों ने बोलेरो को पकड़ लिया, जबकि मोटरसाइकिल सवार आरोपी मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस ने जब्त बोलेरो की तलाशी ली, जिसमें से एक नाली बंदूक, दो जिंदा कारतूस, एक दाब (धारदार हथियार) और एक बाकुआ बरामद किया गया। यह कार्रवाई अपर थानाध्यक्ष भीम कुमार सिंह और पीएसआई रूपम कुमारी के नेतृत्व में की गई। इस मामले में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 40/26 दर्ज करते हुए लंबू उर्फ शामिल अख्तर, वसीम उर्फ बुनाद और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पहाड़पुर थाना में एसपी की जनसुनवाई, 38 मामलों की सुनी गई शिकायतें

बीएनएम @ अरेराज @ उज्जवल कुमार मिश्रा

आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पहाड़पुर थाना परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम बिहार सरकार के सात निश्चय-2 के तहत चलाए जा रहे "सबका सम्मान-जीवन आसान (ईज ऑफ लिविंग)" अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान थाना क्षेत्र से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सीधे पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, आपसी मारपीट और अन्य स्थानीय शिकायतें शामिल थीं। एसपी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एसडीपीओ रवि कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ, पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार, गोविंदगंज थानाध्यक्ष राजू मिश्रा और अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर समाधान करना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अब जिले के सभी थानों, अंचल कार्यालयों, अनुमंडल कार्यालयों और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि लोगों को अपनी शिकायतों के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।

अपराध पर सियासतः बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर भिड़े सत्ता-विपक्ष

हर अपराधी के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाईः अजय कुमार

बीएनएम @ पटना

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और उन्हें जाति व समुदाय से जोड़कर की जा रही राजनीति ने राज्य का सियासी पारा गर्मा दिया है। सदन से लेकर सड़क तक, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर तीखे आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

विपक्ष का हमला और जाति का सवाल सीपीआई विधायक अजय कुमार ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों पर नियंत्रण पाने में प्रशासन विफल साबित हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जताई कि अपराध को किसी खास जाति या समुदाय से जोड़कर देखा जा रहा है। अजय कुमार ने स्पष्ट कहा कि "अपराध की कोई जाति नहीं होती" और सरकार को अपराधियों की संपत्ति पर वैसी ही कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए जैसी गरीबों के घरों पर की जाती है। इसी सुर में राजद विधायक बोगो सिंह ने भी अपराधियों के बढ़ते मनोबल पर चिंता जताई और सरकार से प्रभावी कार्रवाई की मांग की।दूसरी ओर, सत्ता पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जदयू विधायक विनय चौधरी ने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि कानून की नजर में सभी समान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपराधी चाहे किसी भी पृष्ठभूमि का हो, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अपराध को जाति से जोड़ने की प्रवृत्ति को समाज के लिए हानिकारक बताया और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

हर हाल में 31 मार्च 2026 तक पूरा करें उत्तर कोयल जलाशय परियोजना का कामः डीएम

डीएम ने उत्तर कोयल जलाशय परियोजना में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

बीएनएम @गयाजी

गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने उत्तर कोयल जलाशय परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पैकेज 10 के अंतर्गत आमस अंचल के सितहल गांव से नीमा गांव तक लगभग 6.5 किलोमीटर के क्षेत्र का जायजा लिया। निरीक्षण के समय वाप्कोस, एमएसआर कंस्ट्रक्शन और जल संसाधन विभाग के अभियंता भी मौजूद रहे।डीएम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि जीटी रोड से मुख्य नहर के 'अप-स्ट्रीम' में जलजमाव (वॉटर लॉगिंग) की समस्या है। उन्होंने अभियंताओं को तत्काल इस समस्या का समाधान करने और सभी संरचनाओं के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। पैकेज 10 में कुल 19 संरचनाओं का निर्माण होना है, जिनमें से 11 पर काम जारी है। डीएम ने शेष 8 संरचनाओं पर भी तत्काल काम शुरू करने और मानव बल व मशीनरी की संख्या बढ़ाने को कहा ताकि परियोजना की गति तीव्र हो सके।जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिया कि मिट्टी के कार्यों को जल्द पूरा करें और सात दिनों के भीतर नहर पक्कीकरण का काम अनिवार्य रूप से शुरू करें। उन्होंने इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूर्ण करने के लिए 31 मार्च 2026 की समय सीमा (डेडलाइन) निर्धारित की है।लगभग 1367.61 करोड़ की लागत वाली यह अंतर-राज्यीय परियोजना बिहार और झारखंड के बीच अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे मुख्य रूप से बिहार के गया और औरंगाबाद जिलों में सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के तहत एसएलआर ब्रिज, डीएलआर ब्रिज और सुपर पैसेज जैसी आधुनिक संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

23 फरवरी तक चलेगा स्मार्ट मीटर पखवाड़ा

» स्टॉल लगाकर उपभोक्ताओं किया जायेगा जागरूक

बीएनएम @ पटना/गया

स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं के बीच फैली आशंकाओं और भ्रम को दूर करने के लिए बिजली विभाग ने राज्यभर में विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। 9 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक 'स्मार्ट मीटर पखवाड़ा' मनाया जा रहा है, जिसके तहत शहर से लेकर गांव तक लोगों को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की जानकारी दी जा रही है।इस अभियान की शुरुआत गया से की गई, जहां दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की ओर से विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया। गया शहरी और ग्रामीण डिवीजन कार्यालय तथा सर्किल कार्यालय के बाहर लगाए गए स्टॉल पर लोगों को पंपलेट वितरित कर स्मार्ट मीटर की विशेषताएं समझाई गईं। अभियान का शुभारंभ विद्युत कार्यपालक अभियंता (ग्रामीण) विनोद कुमार और कनीय विद्युत अभियंता अंशुमान वर्धन ने किया।अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के हित में है। इससे बिजली की खपत पर नियंत्रण संभव होता है और अनावश्यक खर्च से बचत होती है। स्मार्ट मीटर उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 25 पैसे की छूट भी दी जा रही है। इसके अलावा जिन उपभोक्ताओं पर पहले से बिजली बिल बकाया है, उनके लिए भी राहत संबंधी प्रावधान किए गए हैं।पखवाड़ा के दौरान बिजली विभाग के कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को स्मार्ट मीटर के फायदे बता रहे हैं। जिन घरों में अभी मीटर नहीं लगे हैं, उन्हें इसकी कार्यप्रणाली और लाभ समझाए जा रहे हैं। वहीं, जिन उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगवा लिया है, उनसे फीडबैक भी लिया जा रहा है ताकि सेवा को और बेहतर बनाया जा सके।उपभोक्ताओं को 'बिहार ऊर्जा स्मार्ट मीटर' मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपने खाते का बैलेंस, वर्तमान मीटर रीडिंग, बिजली खपत और लोड से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां आसानी से देख सकते हैं।बिजली विभाग का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य स्मार्ट मीटर को लेकर सही जानकारी देना और उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना है, ताकि पारदर्शी और बेहतर बिजली सेवा सुनिश्चित की जा सके।

सड़क हादसे में घायल युवक की पटना ले जाने के दौरान मौत

» ससुराल जाने के दौरान हुआ हादसा

बीएनएम @बगहा

बगहा के लौकरिया थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दी हैं। लौरिया थाना क्षेत्र के बसवरिया गांव निवासी 25 वर्षीय भीम कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। भीम अपने पीछे दो मासूम बच्चों और पत्नी को छोड़ गए हैं, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर है।घटना 8 फरवरी की शाम की है, जब भीम कुमार बड़गांव पिपरिया से अपने ससुराल भड़छी गांव जा रहे थे। इसी दौरान हरनाटांड़ क्षेत्र के बहुअरवा मोड़ के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद भीम गंभीर रूप से घायल सड़क पर पड़े थे। सूचना मिलते ही लौकरिया थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने डायल 112 की टीम को मौके पर भेजा और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।भीम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हरनाटांड़ स्वास्थ्य केंद्र से बगहा अनुमंडलीय अस्पताल और फिर गोरखपुर एम्स रेफर किया गया। बेहतर इलाज की उम्मीद में परिजन उन्हें बेतिया जीएमसीएच भी ले गए, लेकिन वहां से पटना रेफर किए जाने के दौरान रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।मृतक भीम कुमार पेशे से मजदूर थे और अपने घर के बड़े बेटे थे। उनके कंधों पर ही पूरे परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी थी। उनके असामयिक निधन से उनके दो छोटे बच्चों (एक बेटा और एक बेटी) के सिर से पिता का साया उठ गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

370 टन के भारी शिवलिंग को पार कराने से बेयरिंग क्षतिग्रस्त, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

बीएनएम @ पटना/गोपालगंज

गंडक नदी पर एनएच-27 स्थित डुमरिया घाट पुल की जर्जर स्थिति ने प्रशासन और आम जनता के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। वर्ष 1974 में निर्मित यह पुल उत्तर बिहार की जीवनरेखा माना जाता है, लेकिन हाल ही में हुई एक घटना ने इसकी संरचनात्मक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।दरअसल, तमिलनाडु के महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण के विराट रामायण मंदिर ले जाए जा रहे 210 टन वजनी शिवलिंग को जब मल्टी-एक्सल ट्रेलर के जरिए इस पुल से गुजारा गया, तो पुल की क्षमता पर भारी दबाव पड़ा। ट्रेलर और शिवलिंग का कुल वजन करीब 370 टन था, जबकि पुल की वहन क्षमता महज 110 टन के आसपास है। इस अत्यधिक भार के कारण पुल के महत्वपूर्ण हिस्से, विशेषकर इसके बेयरिंग (स्प्रिंग), क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि बेयरिंग खराब होने से पुल का स्वाभाविक कंपन रुक गया है, जो किसी भी बड़े पुल के संतुलन और दीर्घायु के लिए अनिवार्य होता है।इस क्षति के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से भारी वाहनों के आवागमन पर अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग द्वारा पुल की विस्तृत तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है और भविष्य के जोखिमों को देखते हुए वैकल्पिक पुल के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। एनएच-27 जैसे व्यस्त मार्ग पर स्थित होने के कारण इस पुल की सुरक्षा क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशासन की प्राथमिकता अब यातायात व्यवस्था को सुचारू रखते हुए पुल की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण की है।

होली-ईद पर घर वापसी आसान,बिहार सरकार चलाएगी 200 स्पेशल सब्सिडी बसे,ट्रेनों की वेटिंग से मिलेगी मुक्ति

पटना से दिल्ली का सफर अब 1254 में, 23 फरवरी से शुरू होंगी स्पेशल बसें

पटना के साथ मुजफ्फरपुर, गया और पूर्णिया से भी चलेंगी अंतरराज्यीय बसें

बीएनएम @ पटना

होली और ईद के दौरान ट्रेनों में लंबी वेटिंग और निजी बसों के महंगे किराए से जूझने वाले यात्रियों के लिए बिहार सरकार ने एक बड़ी राहत पेश की है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने 23 फरवरी से 23 मार्च तक लगभग 200 विशेष सब्सिडी बसों के संचालन का निर्णय लिया है। यह पहल विशेष रूप से दिल्ली, हरियाणा, झारखंड और पश्चिम बंगाल से बिहार आने वाले उन लाखों प्रवासी मजदूरों और नौकरीपेशा लोगों के लिए है, जिन्हें त्योहारों के समय घर पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका किफायती किराया है। पटना से दिल्ली के लिए एसी सीटर का किराया 1254 और स्लीपर का 1893 तय किया गया है, जो बाजार की तुलना में काफी कम है। सरकार ने केवल पटना ही नहीं, बल्कि मुजफ्फरपुर, गया, सीवान और पूर्णिया जैसे शहरों को भी सीधे प्रमुख रूटों से जोड़कर परिवहन नेटवर्क का विकेंद्रीकरण किया है। दिल्ली रूट पर सर्वाधिक 62 बसें लगाई गई हैं, जबकि हरियाणा के लिए 40 बसें चलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए डिजिटल टिकटिंग पर विशेष जोर दिया गया है। यूपीआई, नेट बैंकिंग और काड्र्स के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग के साथ-साथ बसों में 'ऑन-द-स्पॉट' ई-टिकटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। परिवहन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब्सिडी मॉडल न केवल यात्रियों की जेब पर बोझ कम करेगा, बल्कि निजी ऑपरेटरों द्वारा वसूले जाने वाले मनमाने किराए पर भी लगाम लगाएगा। कुल मिलाकर, यह कदम त्योहारों के उल्लास के बीच घर वापसी की राह को सुगम और सुरक्षित बनाने की एक सराहनीय कोशिश है।

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है। कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया। मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन-सहन की बेहतर सूरत बनाना। देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं नहीं होगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत मे गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है। इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए जन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है।

शोक सभाओं की भव्यता का दुर्भाग्यपूर्ण चलन

डॉ. प्रियंका सौरभ

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है- यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं। कभी छह–सात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी। समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च- सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा। शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोकसभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है। मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता। ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है। शोकसभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए- इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोकसभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि "अमुक व्यक्ति तो आया ही नहीं" या "फलां बड़े साहब भी पहुंचे थे।" मानो शोकसभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो। यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोकसभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन "लोग क्या कहेंगे" के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं। इस भव्य आयोजन में खानपान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है।

इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है। शोकसभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोकसभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस-दर-बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है? यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है। समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है। ऐसे में शोक की अभिव्यक्ति भी समान, सरल और गरिमामय होनी चाहिए। शोकसभा का उद्देश्य मृतक के प्रति श्रद्धांजलि देना और जीवितों को सांत्वना देना है, न कि समाज के सामने अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन करना। मीडिया, सामाजिक नेतृत्व और स्वयं समाज को मिलकर इस दिशा में आत्मसंयम दिखाना होगा। अखबारों को भी यह सोचना चाहिए कि शोक संदेशों को विज्ञापन के रूप में बढ़ावा देना कहीं इस प्रवृत्ति को और तो नहीं बढ़ा रहा। सामाजिक प्रतिष्ठा का मापदंड शोक संदेशों के आकार से नहीं बल्कि मानवीय संवेदना से तय होना चाहिए। अंततः, शोक का सबसे सुंदर स्वरूप वही है जिसमें कम शब्द हों, कम दिखावा हो और अधिक संवेदना हो। मौन में कही गई बात, भव्य मंच से बोले गए भाषण से कहीं अधिक गहरी होती है। शोक सभाएं अत्यंत सादगीपूर्ण होनी चाहिए। यही मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और यही संवेदनशील समाज की पहचान भी।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरू हो

कांतिलाल मांडोत

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो?जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को ढक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है। असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है। मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए। डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है। बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं। डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है। अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है। सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है। शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है। दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है। जब बच्चे को यह भरोसा मिले कि वह अपने अंकों से बड़ा है, उसकी काबिलियत एक परीक्षा में नहीं समा सकती, तब उसकी रीढ़ सीधी हो जाती है। परीक्षा फिर डर नहीं रहती, वह खुद को परखने और बेहतर बनने का अवसर बन जाती है। अगर हम सब माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर अपेक्षाओं का बोझ थोड़ा हल्का कर दें, तो बच्चे मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में कदम रखेंगे। परीक्षा तब उत्सव बनेगी, जब हम उसे सीखने की यात्रा का पड़ाव मानेंगे, मंजिल नहीं।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यों की सराहना होगी।

वृष राशि- आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज धैर्य और विनम्रता रखने से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी भी कार्य में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है, धैर्य और समझदारी रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात के योग बन रहे हैं, जो नये कार्यों को शुरू करने में आपका साथ देंगे।

सिंह राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कागज पूरे न होने से कुछ देर के लिए रुक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आज आपको किसी दोस्त का भी सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले उसके बारे में पूरी जानकारी जरुर कर लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी परेशानी खत्म होने के योग हैं।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। आज नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेगा। नए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आएंगे।

मकर राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

कुंभ राशि- आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर व्यक्ति आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

मीन राशि- आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह- सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

टी-20 वर्ल्ड कपः डबल सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका की रोमांचक जीत, गुरबाज की पारी पर फिरा पानी

एजेंसी, अहमदाबाद

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 13वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर के रोमांचक मुकाबले में हराकर 'ग्रुप ऑफ डेथ' से बाहर होने से खुद को बचा लिया। दोनों टीमों ने निर्धारित 20 ओवर में 187-187 रन बनाए, जिसके बाद मैच सुपर ओवर में गया और फिर दूसरा सुपर ओवर खेला गया।

मैच का रोमांच- अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में 13 रन की जरूरत थी और एक विकेट शेष था। कागिसो रबाडा ने दबाव में दो नो-बॉल फेंकी, जिससे मुकाबला बराबरी पर पहुंच गया। रन लेने में हुई एक गलती के कारण मैच टाई हो गया और सुपर ओवर की नौबत आई। पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने लुंगी एनगिडी के खिलाफ 17 रन बनाए। जवाब में ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मैच को दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत 23 रन बनाए। अफगानिस्तान को 24 रन का लक्ष्य मिला। केशव महाराज की गेंदबाजी में मोहम्मद नबी आउट हुए, लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज ने लगातार तीन छक्के जड़कर उम्मीद जगाई। आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी, लेकिन गुरबाज पॉइंट पर कैच आउट हो गए और अफगानिस्तान की उम्मीदें टूट गईं।

दक्षिण अफ्रीका की पारी- टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी अफगान टीम ने शुरुआत में ऐडन मार्करम का विकेट झटका। इसके बाद क्विंटन डी कॉक (59 रन, 41 गेंद) और रयान रिकेल्टन (61 रन, 28 गेंद) ने शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। डी कॉक टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए (737 रन)। राशिद खान ने दोनों सेट बल्लेबाजों को आउट कर मैच में वापसी कराई। अंत में डेविड मिलर (नाबाद 20) और मार्को यानसन (16 रन, 7 गेंद) की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में 187/6 का स्कोर खड़ा किया। अजमतुल्लाह ओमरजई ने 3 विकेट लिए।

अफगानिस्तान की पारी- रहमानुल्लाह गुरबाज (84 रन, 42 गेंद) और इब्राहिम जादरान ने तेज शुरुआत दी। हालांकि बीच के ओवरों में लुंगी एनगिडी और रबाडा ने विकेट लेकर दबाव बनाया। कप्तान राशिद खान ने 20 रन की तेज पारी खेली, लेकिन आखिरी ओवर के रोमांच ने मुकाबले को टाई करा दिया। अंततः डबल सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने बाजी मार ली और अफगानिस्तान को दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा।

अभिषेक पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती

नामीबिया के खिलाफ खेलने की संभावना नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उनका गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। अभिषेक टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पेट दर्द की शिकायत कर रहे थे। भारतीय टीम को 15 फरवरी को पाकिस्तान से खेलना हैं। ऐसे में तब तक उनक ठीक होना जरुरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यूएई के खिलाफ पहले मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी कहा था कि अभिषेक के पेट में दर्द है। वह अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में भी फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। अभिषेक शर्मा यूएसए के खिलाफ पहले मुकाबले में गोल्डन डक पर आउट हुए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को पेट में संक्रमण हुआ है इसके साथ ही उन्हें बुखार भी है। रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर हुए टीम डिनर में भी वह ठीक नहीं लग रहे थे। इसी कारण थोड़ी देर में ही वहां से चले गए थे। सोमवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार को भी वह वहीं भर्ती रहे। फिलहाल टीम प्रबंधन उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं अगर अभिषेक फिट नहीं हुए तो संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। अभिषेक का नामीबिया के खिलाफ मुकाबला खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में ईशान किशन के साथ ओपनिंग करने का मौका सैमसन को मिल सकता है। सैमसन का चयन टी20 विश्व कप स्क्वॉड में पारी की शुरुआत के लिए ही हुआ था पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बुरी तरह असफल होने के उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। अब अगर नामीबिया के खिलाफ उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। अभिषेक अगर नहीं खेलते तो ईशान पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। ईशान पिछले कुछ समय से काफी अच्छा खेल रहे हैं। कैसी है और वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए फिट भी हैं या नहीं। उनके पाक के साथ मुकाबले से पहले फिट होने की पूरी उम्मीद है।

टी-20 वर्ल्ड कप : चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच से बाहर हुए मिचेल मार्श

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान मिचेल मार्श ग्रोइन (जांघ के ऊपरी हिस्से) में चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से कुछ घंटे पहले यह जानकारी बयान जारी कर दी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार मार्श को इस सप्ताह ट्रेनिंग सत्र के दौरान ग्रोइन पर सीधा प्रहार लगा था, जिसके बाद उन्हें लगातार दर्द और असहजता महसूस हो रही है। बयान में कहा गया है कि स्कैन रिपोर्ट में आंतरिक टेस्टिकुलर ब्लीडिंग (अंडकोष में अंदरूनी रक्तस्राव) की पुष्टि हुई है। फिलहाल उनकी गतिविधियां सीमित हैं और उन्हें आराम व पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) की आवश्यकता होगी। उनकी मैदान पर वापसी पूरी तरह लक्षणों में सुधार और मेडिकल सलाह पर निर्भर करेगी। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मार्श की वापसी को लेकर कोई निश्चित समयसीमा घोषित नहीं की है। इस बीच चयनकर्ताओं ने स्टैंडबाय में शामिल अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को कवर के तौर पर श्रीलंका रवाना होने के लिए बुलाया है, ताकि जरूरत पड़ने पर वे टीम के साथ जुड़ सकें और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें।

जिन लोगों ने मेरा मज़ाक उड़ाया, आज वही मेरा स्वागत करते हैंः दीप्ति जीवनजी

एजेंसी, नई दिल्ली

कभी ऐसा समय था जब लोगों ने उनके माता-पिता को सलाह दी थी कि उन्हें कहीं दूर भेज दिया जाए। उनके हाव-भाव का मज़ाक उड़ाया गया, भविष्य पर सवाल उठाए गए और उनकी क्षमता को शुरुआत में ही खारिज कर दिया गया। लेकिन आज वही दीप्ति जीवनजी देश के लिए पदक जीतने की दौड़ में हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स 2025 से पहले दीप्ति ने एक साक्षात्कार में अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि वह तेलंगाना के वारंगल जिले के कलेड़ा गांव में स्कूल के दिनों में नंगे पांव दौड़ा करती थीं। उनके लिए दौड़ना कोई रणनीति नहीं बल्कि स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। किसी ने नहीं सोचा था कि स्कूल के मैदान में दौड़ने वाली यह लड़की एक दिन टी20 400 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। कम उम्र में बौद्धिक दिव्यांगता (इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी) का पता चलने के बाद दीप्ति को समाज की फुसफुसाहटों और तानों का सामना करना पड़ा। लेकिन जहां कई परिवार ऐसे दबाव में टूट जाते हैं, वहीं उनके माता-पिता ने हार नहीं मानी। दीप्ति कहती हैं, "अगर मेरे माता-पिता लोगों की बात सुन लेते, तो मैं आज यहां नहीं होती। उन्होंने डर नहीं, बल्कि प्यार चुना।" उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट तब आया जब स्कूल के एक शारीरिक प्रशिक्षक ने उनकी रफ्तार को पहचाना। इसके बाद परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद उन्हें हैदराबाद में पेशेवर प्रशिक्षण दिलाने का फैसला किया। दीप्ति याद करती हैं, "जब मैं पहली बार हवाई जहाज में बैठी तो रो पड़ी थी। कभी नहीं सोचा था कि जिंदगी मुझे यहां तक ले आएगी।" अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक और सम्मान मिलने के साथ समाज का नजरिया भी बदला। अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करना उनके लिए सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि एक मजबूत संदेश था। वह कहती हैं, "जिन लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, आज वही मेरा स्वागत करते हैं। तानों का जवाब शब्दों से नहीं, मेहनत से देना चाहिए।" 22 वर्ष की दीप्ति के सपने अब स्पष्ट हैं। वह पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हैं, एक घर बनाना चाहती हैं जिसमें अपने पदकों के लिए खास कमरा हो और पुलिस अधिकारी बनने का सपना भी देखती हैं।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। आज शुरुआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, अपोलो हॉस्पिटल, मैक्स हेल्थकेयर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन कंपनी के शेयर 6.17 प्रतिशत से लेकर 1.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 2.08 प्रतिशत से लेकर 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,680 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,128 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,552 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 65.23 अंक की मजबूती के साथ 84,339.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही यह सूचकांक उछल कर 84,487.34 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली

शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे के करीब यह सूचकांक गिर कर 84,146.37 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मामूली खरीदारी होने के कारण इस सूचकांक की स्थिति में थोड़ा सुधार भी हुआ। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 72.47 अंक टूट कर 84,201.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 62.30 अंक उछल कर 25,997.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 26,009.40 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण निफ्टी ने अपनी सारी बढ़त गंवा दी। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सुबह 10 बजे के करीब यह सूचकांक लाल निशान में 25,909.85 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इसकी चाल में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 7.75 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 25,927.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 208.17 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 84,273.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

स्टॉक मार्केट में बैंडमैन रिटेल की प्रीमियम एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। इंटरनेशनल स्पोर्ट्स और लाइफस्टाइल ब्रांड्स की मार्केटिंग करने वाली कंपनी ब्रैंडमैन रिटेल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 176 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 3.98 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 183 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 192.15 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 9.18 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ब्रैंडमैन रिटेल का 86 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 114.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 85.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 202.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 93.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 48,91,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ 153.33 प्रतिशत उछल कर 20.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह कंपनी की कुल आय 10.37 प्रतिशत बढ़ कर 136.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2025 तक कंपनी को 19.67 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 97.21 करोड़ रुपये की आय अर्जित कर चुकी है। दिसंबर 2025 के अंत तक कंपनी पर 15.68 करोड़ रुपये का कर्ज था, जबकि रिजर्व और सरप्लस में 46.70 करोड़ रुपये पड़े हुए थे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 47% बढ़कर 4,675 करोड़:तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 26% बढ़ा, एक साल में कंपनी का शेयर 20% चढ़ा

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार (YoY) 47% बढ़कर 4,675 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही (Q3FY25) में कंपनी को 3,181 करोड़ का मुनाफा हुआ था। आज (11 फरवरी) को कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। नतीजों के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 0.16% की तेजी के साथ 3,681 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते एक साल में शेयर 20% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 4.41 लाख करोड़ रुपए है।

रेवेन्यू 26% बढ़कर 52,100 करोड़ रहा- महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑपरेशन से रेवेन्यू में सालाना आधार पर 26% की बढ़ोतरी हुई है। FY26 की तीसरी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 52,100 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY25 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 41,470 करोड़ रहा था। तीसरी तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार (YoY) पर 26% बढ़कर 52,958 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 41,881 करोड़ रुपए थी। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी की टोटल इनकम 13% बढ़ी है। कंपनी की गाड़ियों की सेल्स भी सालाना आधार पर 23% बढ़कर 3.02 लाख यूनिट्स रही।

कंपनी की कमाई बढ़ने के 5 बड़े कारणः-

SUV सेगमेंट में ग्रोथः महिंद्रा की SUV जैसे- थार, स्कॉर्पियो-एन और एक्सयूवी 700 की डिमांड बाजार में तेजी से बढ़ी है। SUV मार्केट में कंपनी की रेवेन्यू हिस्सेदारी बढ़कर 24.1% हो गई है। अकेले ऑटो सेगमेंट के मुनाफे में 42% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

सर्विसेज बिजनेस में ग्रोथः महिंद्रा ग्रुप के सर्विसेज सेक्टर (फाइनेंस, आईटी, लॉजिस्टिक्स आदि) ने इस बार सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सेगमेंट का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना (100% की बढ़त) होकर 1,637 करोड़ रुपए हो गया है।

ट्रैक्टर बाजार में नंबर-1 पोजीशनः खेती-किसानी के सीजन में महिंद्रा के ट्रैक्टरों की बिक्री में 23% का उछाल आया। कंपनी ने 1.50 लाख ट्रैक्टर बेचकर बाजार में अपनी नंबर-1 पोजीशन कायम रखी है, जिससे फार्म इक्विपमेंट बिजनेस के रेवेन्यू में 21% की ग्रोथ मिली।

चांदी 13 दिन में 1.27 लाख सस्ती:2.58 लाख प्रति किलो पर आई, सोना 20,008 गिरकर 1.56 लाख पर आया

नई दिल्ली । सोने-चांदी के दाम में लगातार दो दिन की बढ़त के बाद आज 11 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, चांदी की कीमत एक हजार रुपए गिरकर 2.58 लाख रुपए किलो पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.59 लाख रुपए किलो थी। वहीं, ये अपने ऑल टाइम हाई से 1.28 लाख रुपए सस्ती हो चुकी है। 29 जनवरी को चांदी की कीमत 3.86 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 142 रुपए घटकर 1.56 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले 10 फरवरी को इसके दाम 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थे। सोना भी अपने ऑल टाइम से 20 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। इसकी कीमत भी 29 जनवरी को 1.76 लाख रुपए के अपने सबसे ऊपरी स्तर पर थी।

ग्रोवर ज्वेल्स की स्टॉक मार्केट में जोरदार शुरुआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। गोल्ड ज्वेलरी बनाकर इसकी मार्केटिंग करने वाली कंपनी ग्रोवर ज्वेल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 9.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 96 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण थोड़ी देर बाद कंपनी के शेयर उछल कर 100.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 12.80 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। ग्रोवर ज्वेल्स का 34 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 19.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 37.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 15.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 38,44,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2.71 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में उछल कर 2.78 करोड़ रुपये और 2024-25 में बढ़ कर 7.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अपने किरदार को जीने लगी हूं, ड्रैगन का किरदार निभाने वाली कनिका मान ने खोले किरदार से जुड़े राज

टीवी के पॉपुलर सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की कनिका मान एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार वह आम इंसान बनकर नहीं, बल्कि ड्रैगन बनकर फैंस का दिल जीतने वाली हैं। अब नागिन 7 में अपनी एंट्री और ड्रैगन के किरदार पर कनिका मान ने कहा कि ड्रैगन का किरदार निभाना उनके लिए सपने जैसा है। कनिका मान ने अपने ड्रैगन के खूंखार किरदार पर बात करते हुए कहा, सीरियल में बीते 12 एपिसोड से ड्रैगन दिखाया जा रहा है और दर्शक पहले से ही उससे कनेक्टेड हैं, लेकिन बस अब नया चेहरा मेरा होने वाला है। मुझे उम्मीद है कि मैं ड्रैगन का किरदार अच्छे से निभा पाऊंगी। ड्रैगन की दुनिया अलग है, लेकिन ड्रैगन बनने से पहले किरदार राधिका के जीवन में कई उतार-चढ़ाव हैं, जो दर्शकों को कनेक्ट करने की कोशिश करेगी। मुझे ड्रैगन के लुक को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट है क्योंकि वह अलग दुनिया से आता है और मैंने आज तक ऐसा किरदार नहीं

निभाया है। उन्होंने आगे कहा, राधिका का किरदार कुछ-कुछ ग्रे शेड्स जैसा है। उसे गुस्सा आता है तो वो गुस्सा करती है और अगर खुश है तो खुश हो जाती है, लेकिन उसे सीमा पार करना भी आता है और यही वजह है कि किरदार थोड़ा निगेटिव हो जाता है, लेकिन मुझे इस किरदार को निभाने में मजा आ रहा है। सीरियल में कुछ एक्शन सीन्स भी देखने को मिलेंगे और उनकी शूटिंग भी बहुत सावधानी से होगी। जिस तरीके का किरदार है, मैं अंदाजा लगा सकती हूं कि बहुत सारे स्टंट शूट होंगे। कनिका का कहना है कि वे हर किरदार से कुछ न कुछ सीखती हैं। अपने नए ड्रैगन के किरदार पर कनिका ने कहा, मेरे लिए ड्रैगन बनना आसान नहीं है, लेकिन उससे ज्यादा मैं राधिका के किरदार से सीख रही हूं। अभी तक मैंने जितने भी रोल किए हैं, उन्हें मैं असल जिंदगी में भी थोड़ा-थोड़ा जीने लगती थी, वैसा ही राधिका के किरदार के साथ हो रहा है क्योंकि मैं उसकी तरह फील करने लगी हूं, उसकी भावनाओं को महसूस करने लगी हूं। मेरे बाकी किरदार बबलीनेस से भरे रहे हैं, लेकिन राधिका और ड्रैगन का किरदार बिल्कुल अलग है। उसका एक सीमित बोलने का तरीका है, चलने का तरीका है। उसके अंदर एक ग्रेस है।

धनश्री वर्मा का गहरे हरे गाउन में ग्लैमरस लुक हुआ वायरल, तस्वीरें देख फैंस बोले- स्टनिंग ब्यूटी

धनश्री वर्मा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर किया है. उनका ये नया फोटोशूट उनके फैशन सेंस और ग्लैमरस अंदाज का बेहतरीन उदाहरण है. गहरे हरे रंग की गाउन जो शॉर्ट फ्रंट और लंबी ट्रेन के साथ डिजाइन की गई है उनके लुक को रॉयल टच दे रही है. गाउन का फिट और फैब्रिक उनके शरीर पर परफेक्ट बैठ रहा है जिससे उनका स्टाइल और भी निखर कर सामने आ रहा है. धनश्री वर्मा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद स्टाइलिश और स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं. इस फोटोशूट में उनका लुक ऐसा है कि देखते ही बन रही है. उन्होंने गहरे हरे रंग की गाउन पहनी है जो शॉर्ट फ्रंट और लंबी ट्रेन के साथ डिजाइन की गई है. गाउन का कट और फैब्रिक उनकी फिगर पर बिल्कुल फिट बैठ रहा है और ये उनके लुक में ग्लैमरस टच जोड़ रहा है. फोल्डेड ट्रेन और डिजाइन उन्हें रॉयल और एलीगेंट लुक दे रहे हैं जो हर नजर को अपनी ओर खींच रहे हैं. धनश्री के बाल सॉफ्ट वेवी स्टाइल में सेट किए गए हैं जिससे उनका चेहरा और भी निखर कर सामने आ रहा है. मेकअप भी बहुत ही सिंपल है. उन्होंने हल्की स्मोकी आईज,सटल लिप कलर और चेहरे पर नैचुरल ग्लो उनके लुक को पूरा कर रहे हैं. शाइनिंग हील्स उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच कर रही हैं .फोटोशूट में उनकी पोजिंग भी कमाल की है. धनश्री ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, चमकों की दुनिया में कोमल कृपा. इस कैप्शन के साथ फैंस ने भी उन पर खूब प्यार लुटाया है. कमेंट सेक्शन में लोग लिख रहे हैं कि वह बहुत खूबसूरत दिख रही हैं,स्टनिंग ब्यूटी और उनकी ब्यूटी का क्या ही कहना है. उनके फैंस के प्यार और तारीफों ने इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर और भी वायरल बना दिया है.

बॉर्डर 2 के कहर के आगे बेखौफ हुई मर्दानी 3, दूसरे संडे धुआंधार छापे करोड़ों

रानी मुखर्जी ने 30 जनवरी, 2026 को 'मर्दानी 3 के साथ बड़े पर्दे पर अपना लॉन्ग अवेटेड कमबैक किया था. फिल्म में पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के अपने पॉपुलर किरदार में रानी ने एक बार फिर एक दमदार, सामाजिक थ्रिलर से धमाल मचा दिया है. फिल्म ने पहले हफ्ते में ठीक कमाई की थी और दूसरे वीकेंड पर तो इसने जबरदस्त तेजी दिखाते हुए खूब नोट बटोर लिए. चलिए यहां जानते हैं 'मर्दानी 3 ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को कितना कलेक्शन किया है? रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है. बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल की वॉर ड्रामा 'बॉर्डर 2 से कड़ी टक्कर का सामना करने के बावजूद, इस कॉप ड्रामा ने दूसरे वीकेंड पर धमाल मचा दिया है. इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने दूसरे संडे को यानी रिलीज के 10वें दिन 4 करोड़ रुपये कमाए हैं. यह बढ़ोतरी, हालांकि मामूली है, लेकिन यह बताता है कि फिल्म को वीकेंड और छुट्टी का फायदा मिला. वहीं 9वें दिन (दूसरे शनिवार) को फिल्म ने लगभग 3.5 करोड़ रुपये कमाए, जो हफ्ते के दिनों के आंकड़ों की तुलना में एक अच्छी बढ़ोतरी है. इससे पहले, मर्दानी 3 ने गुरुवार और शुक्रवार दोनों दिन 1.85 करोड़ रुपये कमाए थे. 10वें दिन 4 करोड़ रुपये के कलेक्शन को मिलाकर, फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब लगभग 35.65 करोड़ रुपये हो गया है. मर्दानी 3 को सिनेमाघरों में कड़ी टक्कर मिल रही है. सनी देओल और वरुण धवन की वॉर ड्रामा बॉर्डर 2 अभी भी आम दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है, जबकि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की वध 2 जैसी नई रिलीज़ भी दर्शकों को खींच रही हैं. इस भीड़भाड़ वाले रिलीज़ विंडो ने मर्दानी 3 की दूसरे हफ्ते में ग्रोथ की उम्मीद को कम कर दिया है. हालांकि अच्छी वर्ड ऑफ़ माउथ और रानी मुखर्जी की स्टार पावर फिल्म को बनाए रखने में मदद कर सकती है, भले ही कलेक्शन में तेज़ी से उछाल आने की संभावना कम हो. अभिराज मिनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी के साथ जानकी बोदीवाला और मल्लिका प्रसाद भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. तीन महीनों में सेट, कहानी शिवानी शिवाजी रॉय के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 93 टीनएज लड़कियों के चौंकाने वाले गायब होने की जांच करती है, और एक बार फिर एक महिला पुलिस अधिकारी को अपराध के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई के केंद्र में रखती है.

शालिनी पांडे और जहान कपूर की कॉमेडी सीरीज बैंडवाले की रिलीज तारीख जारी

विजय देवरकोंडा के साथ अर्जुन रेड्डी से लोकप्रियता हासिल करने वालीं अभिनेत्री शालिनी पांडे अपनी नई वेब सीरीज को लेकर चर्चा में आ गई हैं। उनकी इस म्यूजिकल कॉमेडी सीरीज का नाम बैंडवाले है, जिसे अक्षत वर्मा और अंकुर तिवारी ने निर्देशित किया है। ब्लैक वारेंट वाले जहान कपूर भी सीरीज का हिस्सा हैं, जो दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के पोते हैं। ओएमएल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित बैंडवाले का प्रीमियर भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में होगा। बैंडवाले अमेजन प्राइम वीडियो की ओरिजनल सीरीज है। इसकी कहानी एक युवा कवयित्री मरियम (शालिनी) के इर्द-गिर्द घूमेगी जो अपनी स्वतंत्रता और आत्म-पहचान की तलाश में गुमनाम रूप से अपनी कविताओं को ऑनलाइन साझा करती है। उसकी जर्नी में उसका साथ रोबो और डीजे साइको देते हैं, जो उसके साथी और सबसे करीबी दोस्त हैं। सीरीज में जाने-माने कंपोजर यशराज मुखाते का संगीत भी शामिल है, जिससे कहानी की भावनात्मक यात्रा को आकार मिलता है। बैंडवाले वैलेंटाइन से एक दिन पहले, यानी 13 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इसमें शालिनी और जहान के अलावा स्वानंद किरकिरे, संजना दीपू, आशीष विद्यार्थी और अनुपमा कुमार सहित अन्य सितारे भी शामिल हैं। बता दें, शालिनी को आखिरी बार फिल्म राहु केतु में देखा गया था जो 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा मुख्य किरदार में थे।

द केरल स्टोरी 2 से जारी हुआ पहला गाना ओ माई, एक-एक शब्द करेगा भावुक

पहले पार्ट 'द केरल स्टोरी ने अपनी बेबाक कहानी से देशभर में बहस छेड़ दी थी। अब इसका सीक्वल उससे भी ज्यादा इंटेंस नजर आ रहा है। हाल ही में इस फिल्म का पहला गाना 'ओ माई री रिलीज किया गया है। 'ओ माई री गाना मां और बच्चे के रिश्ते को समर्पित है। यह गाना मां के उस नि:स्वार्थ प्यार, सुरक्षा और अपनेपन को महसूस कराता है, जो हर बच्चे के लिए सबसे बड़ा कवच होता है। मन्नन शाह का सोलफुल म्यूजिक और मनोज मुंतशिर के इमोशनल लिरिक्स इस गाने को और भी खास बना देते हैं। फिल्म का टीजर पहले पार्ट से कहीं ज्यादा शार्प और इंटेंस नजर आ रहा है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुके निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह की यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाती है। इन किरदारों को उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है। कहानी तब और डार्क मोड़ पर पहुंचती है, जब ये तीनों लड़कियां दूसरे धर्म के युवकों के साथ रिलेशनशिप में आती हैं। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक डरावनी सच्चाई में बदल जाती है, जहां धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दे सामने आते हैं। 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है। वहीं आशिन ए शाह ने इसे सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संतोष सोभन की फिल्म कपल फ्रेंडली का ट्रेलर आउट, 14 फरवरी को होगी रिलीज

संतोष सोभन की आने वाली फिल्म कपल फ्रेंडली का ट्रेलर इमोशनल पलों के साथ काफी रिलेट करने लायक है। अश्विन चंद्रशेखर द्वारा डायरेक्टेड यह फिल्म चेन्नई में रहने वाले एक स्ट्रगलिंग कपल की कहानी बताती है, जिसमें संतोष सोभन और मानसा वाराणसी ने रॉ और ऑथेंटिक परफॉर्मेंस दी है। चेन्नई में सेट इस फिल्म में तेलुगु और तमिल कल्चर का अनोखा मेल इसके चार्म को और बढ़ाता है। ट्रेलर में कपल की एक छोटे, टूटे-फूटे कमरे में रहने से लेकर ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव का एक साथ सामना करने तक का सफर दिखाया गया है। प्यार और रिश्तों के रियलिस्टिक चित्रण के साथ, कपल फ्रेंडली दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है। संतोष सोभन और मानसा वाराणसी के बीच की केमिस्ट्री साफ दिखती है, जो उनके किरदारों की लव स्टोरी को और भी भरोसेमंद बनाती है। कपल्स फ्रेंडली का ट्रेलर वैलेंटाइन डे के लिए एकदम सही है, जिसमें इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा का मिक्स है। फिल्म के विज़ुअल्स, जिन्हें दिनेश ने कैप्चर किया

है, और आदित्य रविंद्रन का मधुर बैकग्राउंड स्कोर इसकी अपील को और बढ़ाते हैं। 14 फरवरी, 2026 को रिलीज़ होने वाली कपल्स फ्रेंडली कपल्स और प्यार करने वालों के लिए एक रोमांटिक ट्रीट होने वाली है। फिल्म को अजय कुमार राजू और यूवी क्रिएशन्स ने प्रोड्यूस किया है। धीरज मोगिलिनेनी, जो फिल्म को दो तेलुगु राज्यों में रिलीज़ कर रहे हैं, इसकी सफलता को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, और ट्रेलर ने दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट पैदा किया है।

अनिल कपूर लेकर आए फैमिली बिजनेस, नेटफ्लिक्स ने जारी किया धमाकेदार टीजर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर हर बार कुछ नया करने के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी दर्शक उन्हें एक नए और अलग अवतार में देखेंगे, जिसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। उनकी आगामी वेब सीरीज का नाम फैमिली बिजनेस है, जिसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, हंसल मेहता और निरेन भट्ट ने मिलकर किया है। नेटफ्लिक्स पर आगामी सीरीज का टीजर जारी किया गया है, जिसमें अनिल के अलावा, विजय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई दिए हैं। फैमिली बिजनेस के टीजर की शुरुआत अनिल से होती है,

जो जेह डावर का किरदार निभा रहे हैं, वहीं विजय उनके बेटे सिड मल्होत्रा के किरदार में हैं। कहानी उस अमीर घराने के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां पैसों और पावर के लिए बाप-बेटे भी एक-दूसरे के सगे नहीं होते। रिया चक्रवर्ती भी सीरीज का हिस्सा हैं और लंबे समय बाद अभिनय की दुनिया में लौटी हैं। उनके अलावा, नेहा धूपिया, राइमा सेन, नंदिश संधू जैसे सितारे भी नजर आए हैं।

GIMS Greater Noida Hosts Grand PGDM Convocation 2026

DN Reporter

Greater Noida : The GNIOT Institute of Management Studies (GIMS), Greater Noida, organized its PGDM Convocation Ceremony for the Batch 2023–25 in a grand and dignified manner on Tuesday. The ceremony celebrated the academic achievements of more than 290 graduating students in an atmosphere marked by discipline, pride, and inspiration.

Hon'ble Arif Mohammad Khan, Governor of Bihar, graced the occasion as the Chief Guest. Addressing the gathering, he extended greetings to the management, faculty, parents, media representatives, and graduating students. He lauded the GNIOT Group of Institutions for its consistent contribution to quality education and nation-building through management studies.

In his convocation address, the Governor emphasized that receiving a degree is not merely a ceremonial milestone but the beginning of a new professional journey. He noted that completing a rigorous programme like PGDM reflects sustained hard work, discipline, and determination. Highlighting the importance of character and ethics, he stated that while a degree provides identity, it is values, attitude, and work culture that define true success.

Referring to the rapidly evolving technological landscape, including artificial intelligence, data analytics, and the digital economy, he underlined the growing importance of management education in strengthening the nation's economic framework.The Guest of Honour, Nagendra Nath Tripathi, Regional General Secretary (Organisation), BJP Bihar–Jharkhand, encouraged students to uphold discipline, nationalism, and social responsibility in their professional lives.

The ceremony was presided over by Dr. Rajesh Kumar Gupta, Chairman of the GNIOT Group, who highlighted the institution's academic legacy and strong industry–institute collaboration. Vice Chairman Gaurav Gupta congratulated the graduates and reiterated the institution's commitment to preparing students for global competition.

Director Dr. Bhupendra Kumar Som, Registrar Anil Madhwal, BJP leader Neeraj Singh, Mahendra Kumar, faculty members, parents, and distinguished guests were also present. The event was efficiently anchored by Dr. Shalini Sharma.

SC's gender handbook is too 'Harvard-oriented': CJI

New Delhi, Agency: CJI Surya Kant on Tuesday virtually discarded the 'Handbook on Combating Gender Stereotypes', published by Supreme Court in 2023 under the initiative of Harvard-educated CJI D Y Chandrachud to sensitise and assist judges and lawyers about gender-unjust terms, as too technical and Harvard-oriented to be of any assistance to rape survivors and commoners.

During the proceedings in a suo motu case taking cognisance of insensitivity of an Allahabad HC judgment that had ruled 'grabbing the breasts' and 'loosening the pyjama string' did not amount to attempt to rape, a bench of the CJI and Justices Joymalya Bagchi and N V Anjaria said the handbook gave forensic meanings to different aspects of sexual assault, which may not be understood by the rape survivor, her relatives or commoners.

"It is too Harvard-oriented," the CJI said and the bench asked National Judicial Academy in Bhopal to constitute a panel comprising domain experts, academicians and lawyers to revisit the issue, frame a guideline and submit a report to the apex court. "We will take assistance of lawyers, including amicus curiae Shobha Gupta and senior advocate H S Phoolka, to fine-tune it," the bench said.

No bunkers built in border areas even 10 months after Op Sindoor

JAMMU, Agency: : Nearly 10 months after Operation Sindoor, there has been no progress on constructing bunkers in the border areas of Jammu and Kashmir that witnessed heavy Pakistani shelling, including Poonch, where at least 18 people were killed.

"No stone has been moved in Uri after the operation," Sajjad Shafi, MLA from the Uri constituency in Baramulla district, told Media. Shafi said a number of houses were damaged during the shelling, forcing large-scale evacuations. While the evacuations saved lives, assurances about constructing bunkers had not been honoured, the MLA said. "Our topography makes community bunkers difficult to access during intense shelling. Every house should have its own bunker," he said.

Echoing the need for individual bunkers, Muzaffar Iqbal Khan, MLA from Thanamandi in Rajouri, said: "Houses are kilometres apart. No one can step out during shelling to reach a community bunker."

Poonch MLA Ajaz Jan of NC said: "When shelling takes place, the Army is forced to first focus on evacuating civilians and rescuing the injured before responding. Permanent bunkers would strengthen defence and reduce pressure on security forces," he said.

According to officials over 500 bunkers have been sanctioned for Uri by MHA and work on them is expected to begin in April 2026.

Nand Ghar to Distribute School Kits to 1 Lakh Children

DB Reporter

New Delhi : Reinforcing its commitment to early childhood care and rural education, Nand Ghar, the flagship social initiative of the Vedanta Group, has launched a nationwide distribution drive to provide school kits to 100,000 children across 10 states.

Under the initiative, children enrolled at Nand Ghar centres will receive specially designed school bags and stainless steel water bottles. The campaign aims to strengthen early education and encourage regular attendance in rural anganwadi centres.

Currently operating in more than 11,500 modernised anganwadi centres across 17 states, Nand Ghar focuses primarily on underserved rural communities. The latest outreach programme will cover Rajasthan, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Odisha, Jharkhand, Bihar, Assam, Maharashtra and Gujarat.

According to the organisation, each school bag has been thoughtfully designed to help children carry their learning materials conveniently to their respective centres. The inclusion of durable steel water bottles is intended to instil healthy hydration habits from an early age and promote awareness around safe drinking water.

Shashi Arora, CEO of Nand Ghar, said the initiative reflects the organisation's sustained efforts to ensure that every child attending a Nand Ghar centre feels prepared, confident and secure. "By providing essential daily-use items such as school bags and water bottles, we aim to promote regular attendance, boost children's confidence and encourage healthy habits, ultimately improving learning outcomes and overall well-being," he stated.

The campaign aligns with Nand Ghar's broader mission of transforming traditional anganwadis into community hubs that offer integrated services including nutrition, early childhood education, healthcare and women's empowerment programmes. Alongside infrastructure upgrades, the initiative implements child-centric interventions to strengthen India's foundational education system.Operated under the Anil Agarwal Foundation, Nand Ghar has so far reached over 400,000 children and more than 300,000 women nationwide. The long-term vision is to impact 70 million children and 20 million women through India's 1.37 million anganwadis.With its scalable community-based model, Nand Ghar continues to support the Government of India's vision for holistic child development across the country.

Understand & respect India's UNSC 'membership aspirations': China

New Delhi, Agency: India and China underscored the importance of peace and tranquility in border areas for overall progress in ties, while reiterating their commitment to implement the guidance provided by their leaders, including on the need to proceed from a "political and strategic direction" on issues and concerns related to bilateral trade.

According to an Indian readout, at a meeting between foreign secretary Vikram Misri and visiting Chinese executive vice foreign minister Ma Zhaoxu, Beijing also conveyed that China understands and respects India's aspirations for UNSC membership. Unlike other countries, China has not explicitly endorsed India's permanent membership bid. In the past, it has only expressed understanding for India's aspirations to play "a greater role" in the UN. In 2014 though, in a joint statement after President Xi Jinping's visit, Beijing stated it "supports India's aspiration to play a greater role in the UN, including in the Security Council".

While this is the first such acknowledgement after the recent military standoff, it still stops short of explicitly endorsing India's case. The Chinese readout did not mention the UNSC membership issue.

Ma Zhaoxu was in India to participate in the Brics Sherpa Meeting from Feb 8-10. "The two sides exchanged views on a wide gamut of issues... Bilateral discussions primarily focussed on the recent progress made in stabilising and rebuilding bilateral ties and ways to take bilateral engagement forward," said an Indian readout.Misri noted the successful resumption of Kailash Mansarovar Yatra and hoped for the continued expansion of the scale of the yatra. Both sides agreed to continue to take practical steps for visa facilitation and promote people-to-people contacts.

'IndiGo to operate flights per new pilot duty norms from today:' DGCA

New Delhi, Agency: IndiGo will, from Wednesday (Feb 11), operate flights as per the requirements of the new safety-enhancing flight duty norms for pilots. The dispensation given by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to the airline from following the flight duty time limitation (FDTL) for its Airbus A320 family pilots lapsed on Tuesday. The same was given in early Dec 2025, to enable the airline's collapsed schedule to recover as IndiGo had cancelled thousands of flights that months affecting lakhs of flyers in the peak travel month.

"IndiGo has informed DGCA that it shall be fully prepared to comply with the statutory provisions and to implement the approved FDTL Scheme upon expiry of the exemptions. IndiGo has further stated that all necessary operational, rostering, and monitoring arrangements are being put in place to ensure full compliance with the approved FDTL scheme with effect from Feb 11, 2026," the DGCA said in a statement on Wednesday. Sharing a "status update", the regulator said the one-time exemption was given to IndiGo on Dec 5, 2025, "in view of the massive flight disruptions faced by the airline during the initial days of Dec 2025... with a view to stabilising flight operations and safeguarding passenger safety and interest." The dispensation was "for a limited period only valid up to Feb 10, 2026." "The... exemptions were granted subject to specified conditions (like) submission of hourly flight operations data to DGCA and weekly/fortnightly reports on operational performance.

Love, but no passage: What a killing changed for Meitei-Kuki couples

New Delhi, Agency: or months, Meitei-Kuki couples across Manipur believed they had reached the safest point they were likely to get, fragile but predictable, after the violence that erupted in 2023. On Jan 21, that calm broke.

Mayanglambam Rishikanta Singh, a 31-year-old Meitei man who had been working in Nepal, was abducted and shot dead in Churachandpur. Singh had quietly entered the Kuki-majority district on Dec 19 via Aizawl, Mizoram, to dodge the buffer-zone checkpoints between Imphal and Churachandpur, kin close to the family of his fiancee Chingnu Haokip said. He had come to see Chingnu after she sought permission from local authorities and representatives of Kuki National Organisation - an umbrella body of Kuki insurgent outfits under the Suspension of Operation agreement - and had lived with her for nearly a month before the killing.

Officials later confirmed that Singh was abducted by armed militants from the Tuibong area and taken to a village under Henglep police station, where he was shot dead on camera.

The chilling video circulated widely. It showed Singh kneeling with folded hands before armed men, prompting Churachandpur police to register a suo motu FIR.

Chingnu Haokip was taken alongside him during the abduction but was beaten and thrown out of a moving vehicle, her family said. She was admitted to a trauma ward in Churachandpur, where doctors found her suffering from acute depression and shock. In hospital, she would answer with nods and could not hold on to what she ate, her loss too great to bear. A further blow followed: both sides of the ethnic divide ostracised her, with many accusing her of betrayal and circulating threats on social messaging groups.

Chingnu has since been discharged from hospital, but remains in no condition to speak. Her family told Media, "We do not want any more trouble".

The killing didn't spill into fresh violence across Manipur, as many feared. In Imphal and Churachandpur, schools stayed open. Offices functioned. Roads reopened intermittently. But something shifted. In Kuki-majority Churachandpur, Icham Haokip, 34, is a Meitei woman who married into the Kuki community in 2010. Icham lost her husband, Lalneo, during the early phase of the violence. She stayed back in the hills with their five children, aged between eight and 15, and rebuilt a life that no longer depended on movement. "I don't feel threatened here," she said. "People know me. I have been accepted into the Kuki community. But the killing of Rishikanta tells you something - how vulnerable these relationships still are."

Across, in Meitei-majority Imphal valley, separation has been a defining condition since mid-2023 for Meitei-Kuki couples. Many were forced apart during evacuations, fleeing in opposite directions for safety. Over time, it became routine - marriages sustained through phone calls, reunions deferred without timelines. Late last year, there were faint signs the worst might be over. Some couples began, carefully, to plan. The murder on Jan 21 shook everything again.